फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी/अमावस्या संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 243 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
27 फरवरी 2025 गुरुवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
12 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

पाकिस्तान पाखंडी और दान के पैसों पर जिंदा देश : भारत

नईदिल्ली, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने फिर पाकिस्तान को जमकर सुना दी। भारत ने कहा कि पाक के प्रतिनिधियों की तरफ से दिए गए भाषणों में पाखंड की बू आती है। पाकिस्तान के जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोप पर भारत ने कहा- पाकिस्तान एक नाकाम देश है, जो खुद दान के पैसों पर जिंदा रहता है। यूएन में भारत के स्थायी मिशन के अधिकारी क्षितिज त्यागी ने जेनेवा में आयोजित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 58वें सत्र की सातवीं बैठक में कहा कि हमें इसमें कोई आश्चर्य नहीं होता कि पाकिस्तानी नेता आतंकियों की तरफ से प्रचारित झूठ को फैलाते हैं। पाकिस्तान ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन को अपना मुखपत्र बताकर संगठन का मजाक उड़ा रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस संगठन का समय एक असफल राज्य द्वारा बर्बाद किया जा रहा है। त्यागी ने कहा,पाकिस्तान की बयानबाजी में पाखंड की बू आती है। इसकी हरकतें अमानवीय हैं और ये शासन व्यवस्था चलाने में अक्षमता हैं।

यूएन में जमकर सुनाई

महाकुंभ समाप्त,अब मेला क्षेत्र तक गाड़ियां पहुंच रही निर्बाध

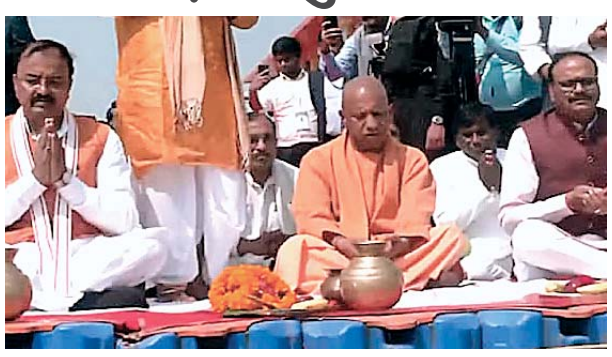

प्रयागराज, एजेंसी

45 दिन तक चले महाकुंभ का समापन कल हो चुका है। मगर आज भी सुबह से मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ है। खास बात यह है कि संगम स्नान के लिए पहुंच रहे लोगों की कारें यहां तक आ पा रही हैं। इन्हें मेला क्षेत्र के पास पार्किंग स्थल पर रोका जा रहा है। मेले में दुकानें भी अभी लगी हैं। लोग घुड़सवारी और ऊंट की सवारी भी कर रहे हैं। महाकुंभ का आज औपचारिक समापन कार्यक्रम भी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे स्टेशन पर अधिकारियों और कर्मचारियों से मुलाकात की। सीएम योगी आदित्यनाथ, दोनों डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना भी कार्यक्रम में शामिल हुए। योगी दोपहर में गंगा पंडाल में पुलिसकर्मियों, सफाईकर्मियों और नाविकों को सम्मानित किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए अचानक उभरे नए नाम, मप्र पर भी अंतिम दौर का मंथन

दो बड़े फैसलों के करीब भाजपा, शाह फिर पहुंचेंगे मप्र, सीएम से होगी चर्चा

भोपाल/सतना दोपहर मेट्रो।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज फिर मध्यप्रदेश के दौरे पर हैं। वे चित्रकूट में नानाजी देशमुख की पुण्यतिथि पर चल रही संगोष्ठी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव भी इस समारोह में शामिल होने उज्जैन से रवाना हुए हैं। शाह हाल में भोपाल की ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के समापन अवसर पर मौजूद थे। दूसरी तरफ भाजपा में राष्ट्रीय व प्रादेशिक स्तर पर होने वाले फैसलों को लेकर भी उत्कंठा तेज हो गई हैं। भाजपा को कुछ ही दिन के भीतर अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनना है। इसके लिए जो नाम उभरें हैं उनमें दक्षिण भारत के दो, गुजरात के एक तथा मप्र के भी एक नेता का नाम विचार में माना जा रहा है। गौरतलब यह है कि हाल में दो दिन पहले भोपाल प्रवास के दौरान शाह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव,दोनों डिप्टी सीएम देवडा व शुक्ला तथा मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से एकांत में चर्चा की थी। इस चर्चा के लिये विजयवर्गीय को खास तौर पर बुलाया गया था। दरअसल,मप्र में भी भाजपा को प्रदेशाध्यक्ष के लिये अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचना है। इसमें वीडी शर्मा को फिर मौका देने के अलावा अन्य नामों का विकल्प भी रखा गया है। उधर सूत्रों की मानें तो राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिये गुजरात के सीआर पाटिल व दक्षिण भारत के किशन रेड्डी,बंडी संजय कुमार के नाम चर्चा में आए थे, अब बीएल संतोष व डी पुरंदेश्वरी का नाम भी चर्चा में आ गया है। **इधर,** शिवराज सिंह चौहान का नाम फिर और मनोहरलाल खट्टर व धर्मेंद्र प्रधान के नाम पर भी अटकलें तेज हो गई हैं। एक सूत्र की मानें तो एक सप्ताह के भीतर भाजपा इस मामले में कोई ठोस फैसला ले लेगी, इसके लिये संघ की राय और अन्य समीकरणों का भी ध्यान रखा जाएगा।

चित्रकूट कथा... वीडी भी रहेंगे मौजूद

इधर मप्र के चित्रकूट में आज अमित शाह दोपहर तीन बजे पहुंचेंगे। शाह की अगवानी मुख्यमंत्री यादव और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा करेंगे। कार्यक्रम के बाद शाह दिल्ली लौट जायेंगे।इस दौरान कथा वाचक मोरारी बापू की कथा भी होगी। चित्रकूट में भारत रत्न नानाजी देशमुख की 15वीं पुण्यतिथि पर कार्यक्रम हो रहा है। इससे पहले आज सीएम ने उज्जैन से दंगवाडा (बड़नगर) पहुंचकर श्रीबोरेश्वर महादेव का पूजन दर्शन किया। देर शाम सीएम भी चित्रकूट से इंदौर लौटेंगे।

नया मुख्यमंत्री चुनने की कवायद भी साथ-साथ शुरू

भाजपा में फिर से मैतेई कम्युनिटी के नेता को मुख्यमंत्री बना सकती है। सीएम की रेस में तीन नाम आगे चल रहे हैं। तीनों मैतेई हैं। पूर्व मुख्यमंत्री बीरेन सिंह भी मैतेई समुदाय के हैं। हालांकि, कुकी के साथ भाजपा के कई मैतेई विधायक अब उनके खिलाफ हैं। मणिपुर में कुकी-मैतेई के बीच 3 मई 2023 से हिंसा हो रही है। बीरेन सिंह पर हिंसा के दौरान मैतेइयों को कुकी के खिलाफ उकसाने के आरोप हैं। 9 फरवरी को उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया। नए नाम पर विधायकों में सहमति नहीं बनने पर केंद्र ने 13 फरवरी को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया। राज्य में अभी विधानसभा भंग नहीं हुई है। ऐसे में भाजपा 10 मार्च से पहले सरकार बनाने का दावा पेश कर सकती है। 60 सीटों वाले मणिपुर विधानसभा में भाजपा के 37 विधायक हैं। इनमें 27 मैतेई, 6 कुकी, 3 नगा और 1 मुस्लिम हैं। NDA के कुल 42 विधायक हैं। इसमें नेशनल पीपल्स फ्रंट (NPF) के भी 5 विधायक शामिल हैं।

प्राइवेट कंपनी का मून मिशन, ड्रिल मशीन के साथ एथेना रवाना

6 मार्च को लैंडिंग

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका की इलान मस्क की स्पेस कंपनी स्पेसएक्स का दूसरा मून मिशन एथेना आईएम 2 आज भारतीय समयानुसार सुबह 5.45 पर लॉन्च हो गया। इसे अमेरिका के कैनेडी स्पेस सेंटर से फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया गया। मिशन का मकसद चंद्रमा की सतह से जुड़ी नई जानकारी इकठ्ठा करना है। लैंडर पर मौजूद रोवर में एक ड्रिल मशीन लगी है। यह करीब 10 ड्रिल करेगी। एक बार की ड्रिलिंग में करीब 10 सेंटीमीटर खुदाई होगी। मशीन एक मीटर गहराई तक सैंपल कलेक्ट करेगी। पिछले दो महीने में स्पेसएक्स की तरफ से चंद्रमा पर भेजा जाने वाला यह दूसरा लैंडर है। जनवरी में भी एक यान गया था। 22 फरवरी को इसने चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग की मगर थोड़ी देर बाद यह पलट गया। अब स्पेसएक्स ने पांच दिन बाद दूसरा मून मिशन लॉन्च किया। बताया जाता है कि यह मून लैंडर धरती से चंद्रमा की दूरी 8 दिन में तय करेगा। चांद पर इसकी सॉफ्ट लैंडिंग 6 मार्च को होगी। एथेना मून लैंडर चंद्रमा के साउथ पोल के नजदीक मोन्स माउटन पर लैंड करेगा। यह चंद्रमा पर स्थित सबसे बड़ा पर्वत है। जो कि 100 किमी तक फैला है और यह सतह से 20 हजार फीट ऊंचा है। मून लैंडर चंद्रमा पर लैंडिंग के बाद करीब 10 दिन तक काम कर सकेगा।

मून लैंडर में क्या-क्या- लैंडर पर एक छोटा रोबोट माइक्रो नोवा हॉपर है, जिसे ग्रेस नाम दिया गया है। इसके अलावा चार पहियों वाला माइक्रोवेव आकार का एक रोवर भी है, जो चांद की सतह पर डेटा कलेक्ट करेगा।

जहरीला कचरा जलाने ट्रायल 500 पुलिसकर्मी तैनात

इंदौर, एजेंसी

पीथमपुर में भोपाल की यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के रासायनिक कचरे के निष्पादन का ट्रायल आज से शुरू होने के आसार को लेकर सरगर्मी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार इस ट्रायल की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कचरा जलाने का दूसरा ट्रायल 4 मार्च और तीसरा 12 मार्च से शुरू होगा। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता चिन्मय मिश्रा की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट भी आज सुनवाई कर रहा है। कोर्ट ने बीते मंगलवार को सुनवाई के दौरान मप्र सरकार से कहा था कि जब तक याचिका में जताई गई आशंकाएं सही नहीं पाई जाती हम हस्तक्षेप नहीं करेंगे। इधर, कचरा जलाने के विरोध में दायर इस याचिका को लेकर प्रशासन सतर्क है। बीते तीन जनवरी को हुए विरोध को देखते हुए प्रशासन कोई कोताही नहीं बरतना चाहता है। लिहाजा, इंदौर देहात और धार जिले के 24 थानों से 500 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। गौरतलब है कि भोपाल से यह रासायनिक कचरा कंटेनर्स में भरकर इंदौर पहुंचाया गया था लेकिन आंदोलन व तनाव भड़कने के बाद से कंटेनर्स वहीं खडे हैं।

कोर्ट के रुख पर भी नजर

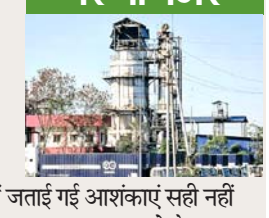

कोर्ट के निर्देश : 60 किमी के भीतर दूसरा टोल नहीं हो

राजस्व तंत्र का सृजन न करें

नईदिल्ली, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाईकोर्ट ने माता वैष्णो देवी मंदिर के तीर्थयात्रियों समेत यात्रियों टोलटैक्स की तकलीफ से राहत दी है। हाईकोर्ट ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को केंद्र शासित प्रदेश में वसूले जा रहे भारी टोल शुल्क में चार महीने में कटौती करने का निर्देश दिया है। यह भी कहा गया है कि लखनपुर और बन्न टोल प्लाजा पर वसूला जाने वाला शुल्क लखनपुर से उधमपुर तक राष्ट्रीय राजमार्ग पूरी तरह से चालू नहीं होने तक पिछले वर्ष 26 जनवरी से पहले लागू दरों का 20 प्रतिशत होगा। मुख्य न्यायाधीश ताशी राबस्तान और न्यायमूर्ति एमए चौधरी की खंडपीठ ने एक जनहित याचिका पर निर्देश पारित किए। 12 पेज के आदेश में पीठ ने कहा, ' केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में आम जनता से पैसा कमाने के एकमात्र उद्देश्य से टोल प्लाजा की संख्या में वृद्धि नहीं होनी चाहिए। आदेश में कहा गया- इस प्रकार, न केवल एनएचएआई के खजाने में हजारों करोड़ रुपये जमा हो रहे हैं, बल्कि निजी ठेकेदार भी करोड़ों रुपये जमा करके खुद को समृद्ध कर रहे हैं' अदालत ने कहा कि आम जनता के लिए शुल्क उचित होना चाहिए और राजस्व सृजन तंत्र का स्रोत नहीं होना चाहिए। हाईकोर्ट ने प्रतिवादियों को राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के 60 किलोमीटर के भीतर कोई भी टोल प्लाजा स्थापित नहीं करने का भी निर्देश दिया और कहा कि यदि ऐसा टोलप्लाजा है तो दो महीने में उसे हटाने का निर्देश दिया जाता है।

मेट्रो एंकर | मौसम में बदलाव : मप्र आने वाले प्रवासी पक्षियों ने पकड़ी अपने मुल्क की राह

चल उड़ चल रे पंछी,अब मौसम हुआ बेगाना...

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मौसम चक्र में परिवर्तन पक्षियों पर भी गहरा असर डालती है। इसका नजारा आसमान पर दिखने भी लगा है। मप्र में जो परिंदे सुदूर देशों से उड़कर यहां चार महीने के लिए अपना मुकाम बनाते थे, वे अब लौटने लगे हैं। हालांकि बीते चार छह दिन से तापमान में गिरावट का दौर है लेकिन परिंदे अपने डेरा समेट चुके हैं और बहुत से फुर्र हो चुके हैं। इस बार फरवरी में तेजी से बढा तापमान खास वजह है। इसके पहले फरवरी अपेक्षाकृत ठंडा रहा करता था। इस बार फरवरी में तापमान में बढ़ोत्तरी के कारण प्रवासी पक्षी समय से पहले विदा हो रहे हैं। पर्यटकों को दुनिया भर के रंग-बिरंगे आकर्षक पक्षियों की उड़ान, अठखेलियां और चहचहाहट कम सुनाई दे रही है। भोपाल में ही बडी झील के किनारों और अन्य वाटरबाडी पर प्रवासी परिंदों का कलरव हमेशा देखा जाता है। इस बार कम है। यहां रेड क्रेस्टेड पोचार्ड , कॉमन पोचार्ड, कॉमन कूट, नॉर्थेर्न शोवलर, कॉमन टील, ब्लैक हेडेड

बंटिंग समेत लगभग सवा प्रजाति के पक्षी आते रहे हैं। उधर, वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व नौरादेही में हर बार घने जंगल व वामनेर और व्यारमा जैसी बड़ी नदियां और कई सारे तालाब के कारण एशिया और यूरोप के अलावा दुनिया भर के पक्षी यहां पहुंचते हैं लेकिन इस बार इन प्रवासियों की रवानगी का सिलसिला चल रहा है। अभयारण्य में स्थानीय पक्षियों की 170 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं. जिनमें हैंसारस, एग्रेट्स, स्टोर्क्स, बाज, गिद्ध, तीतर, बटेर, कबूतर, तोते, कोयल, उल्लू, फ्लाईकैचर्स, मैना आदि शामिल हैं. इसके अलावा यहां सबसे दुर्लभ पक्षी में से एक स्पॉटेड ग्रे क्रीपर (सालपोनिस स्पिलोनोटोस) और प्रवासी पक्षी समूहों में स्टॉर्क (एडजुटेंट, ओपनबिल्ड) क्रेन, गिद्ध, पतंग, उल्लू, किंगफिशर, एग्रेस, लापविंग्स, ईगल, पैट्रिज, बटेर, कबूतर देखने मिलते हैं।

पक्षी प्रेमी निराश

इस बार पक्षी प्रेमियों के लिए निराशा की बात यह है कि बहुत सारे प्रवासी पक्षी समय से पहले अपने ठिकाने पर लौट गए हैं। आमतौर पर प्रवासी पक्षी मार्च की शुरुआत या मध्य में अपने ठिकानों पर वापस जाते थे। दरअसल प्रवासी पक्षी हमेशा सर्दी के मौसम में भोजन की तलाश में आते हैं। सबसे पहले प्रवासी बत्तख, पोचार्ड और दिसंबर जनवरी में नजर आने वाली मेलार्ड बत्तख लगभग वापस लौट गई हैं।

आतिशी को विधानसभा में दाखिल होने से रोका

नईदिल्ली, एजेंसी

विधानसभा में विपक्ष की नेता और आप विधायक आतिशी की आज विधानसभा परिसर में तैनात पुलिकर्मियों के साथ तीखी-बहस हो गई। आतिशी ने इस दौरान पुलिसकर्मियों से पूछा कि उन्हें विधानसभा में प्रवेश क्यों नहीं करने दिया जा रहा है, जिस पर पुलिस की तरफ से जवाब आया कि उन्हें स्पीकर ने आदेश दिया है। पुलिस की बात सुनकर आतिशी ने उस आदेश की कॉपी मांगी, जिसमें विधायकों को न घुसने देने के लिए कहा गया है। इस मामले में आतिशी ने ट्वीट कर भी अपना विरोध दर्ज किया है। उन्होंने कहा भाजपा वालों ने सरकार में आते ही तानाशाही की हदें पार कर दीं। 'जय भीम' के नारे लगानेच पर तीन दिन के लिए आम आदमी पार्टी के विधायकों को सदन से निलंबित कर दिया।

सड़कें चौड़ी-चौराहे छोटे : पीक आवर्स में ट्रैफिक जाम

सड़कों का चौड़ीकरण किया, लेकिन चौराहों का क्षेत्रफल बढ़ाना ही भूले

भोपाल, दोपहर मेट्रो। आप नई चौड़ी सड़क पर गाड़ी दौड़ा रहे हैं और अचानक आगे चलकर एकाएक ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़े। तब दिमाग में सवाल आता है कि सामान्य ट्रैफिक में भी जाम क्यों लग रहा है। दरअसल, निर्माण एजेंसियों ने शहर की सड़कें तो चौड़ी कर दी हैं, लेकिन चौराहे ऐसे ही छोड़ दिए गए हैं। ये चौराहे अब बॉटल नेक बन रहे हैं। ऐसे में शहर में करीब 20 चौराहों- तिराहों पर पीक आवर्स यानी सुबह नौ बजे से दस बजे के बीच और शाम को छह बजे से आठ बजे के बीच जाम की स्थिति बनती है। इसकी एकमात्र वजह है पीडब्ल्यूडी ने सड़कें बनाई और उनका चौड़ीकरण किया, लेकिन इनसे जुड़े चौराहों को सड़क की चौड़ाई के अनुसार नहीं बढ़ाया। सड़क के समान चौड़ाई वाले चौराहों पर जैसे ही ट्रैफिक आता है आपस में उलझने लगता है। रोजाना करीब तीन लाख वाहन उलझ रहे हैं।

चौराहे पर हो दोगुना गहराई तो ही आसान निकासी

जानकारों के अनुसार यदि रोड चार लेन यानी पंद्रह मीटर की है तो चौराहे पर 30 मीटर की चौड़ाई वाली जगह चाहिए। चौराहे पर वाहनों की गति धीमी हो जाती है। वाहनों का दबाव बढ़ता है तो जाम की स्थिति बनने लगती है। चौराहा पर दोगुना जगह होने से धीमी गति से भी ट्रैफिक बिना उलझे निकल जाता है।

सुभाष अंडरपास

यहां से अस्सी फीट रोड की ओर निकलते ही तिराहे पर तीन तरफ के ट्रैफिक में गाड़ी उलझ जाती है। प्रभात चौराहा की ओर जाने के साथ ही जिंसी व भेल की ओर जाने वाला ट्रैफिक आपस में टकराता है। अंडरब्रिज से निकलकर गलत दिशा में करीब 300 मीटर तक वाहन चलने के बाद भेल की ओर वाली रोड पर आते हैं।

शाहपुरा थाना

यहां क्रॉसिंग पर शाम को जाम की स्थिति है। गुलमोहर की ओर से आने वाला ट्रैफिक रोहित नगर की ओर से आने वाले ट्रैफिक से टकरा रहा है। शाम करीब छह बजे से आठ बजे तक दो घंटे जाम की स्थिति है। तेज गति से आए वाहनों का अन्य वाहनों से टकराव आम हो गया है।

बावड़िया ब्रिज

बावड़िया की ओर क्रॉसिंग। शाम पांच बजे से रात आठ बजे तक ब्रिज पर वाहनों की कतार। रेंगते हुए ट्रैफिक चलता है। डीके देवस्थली से लेकर नई चार लेन नहर किनारे सीसी रोड पर भी वाहनों की लाइन है। तीन घंटे तक रोजाना वाहनों की लंबी कतारें अब यहां आम हो गई हैं।

रेलवे की नई पार्सल नीति

अब छोटे व्यापारी भी मालगाड़ी से भेज सकेंगे अपना सामान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रेलवे ने छोटे और मध्यम व्यापारियों के लिए एक नई पार्सल नीति लागू की है, जिसके तहत अब मालगाड़ी वैगनों का उपयोग पार्सल लोडिंग के लिए किया जा सकेगा। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि यह योजना उन व्यापारियों के लिए खासतौर पर फायदेमंद होगी, जो एफएमसीजी, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, दवाइयां, दूध उत्पाद, वस्त्र, मसाले, फर्नीचर और अन्य सफेद वस्तुओं की ढुलाई करते हैं। छोटे व्यापारियों का माल भेजने के लिए स्टेशन पर यदि पारंपरिक पार्सल वैन उपलब्ध नहीं होती, तो व्यापारी इन 'डीड' वैगनों को बुक कर सकेंगे। रेलवे का दावा है कि इस नीति के तहत व्यापारियों को परिवहन लागत में बचत होगी, क्योंकि रेलवे पार्सल दर पर ही मालभाड़ा लेगा। प्रत्येक वैगन के लिए न्यूनतम 14 टन लोडिंग अनिवार्य होगी, जिससे छोटे व्यापारियों को उनकी जरूरत के अनुसार बुकिंग करने की सुविधा मिलेगी।

प्रत्येक वैगन के लिए न्यूनतम 14 टन लोडिंग होगी अनिवार्य: रैक की सफाई के बाद आवंटन-इनमें सुरक्षा और गुणवत्ता का रहेगा ध्यान रेलवे ने यह भी सुनिश्चित किया है कि इन वैगनों को पूरी तरह से साफ रखा जाएगा और कोई भी सीमेंट, कोयला या अन्य पूर्व लोड सामग्री नहीं होगी, ताकि व्यापारियों के उत्पाद सुरक्षित रहें। ?नल रेलवे स्टाफ इनका नियमित रूप से निरीक्षण करेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सिर्फ सूचीबद्ध वस्तुएं ही इन वैगनों में लोड की जा रही हैं। इसके अलावा, समय पर रेक की आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी ताकि सामान समय से गंतव्य तक पहुंचे।

एक साथ ज्यादा माल जा सकेगा: डीड वैगनों का न्यूनतम रेक आकार 30 वैगन रखा गया है, जिससे अधिक माल को एक साथ भेजा जा सके। यदि मिनी रेक इंडेंट किया गया है और 42 खाली वैगन उपलब्ध हैं, तो शेष वैगन अन्य व्यापारियों को आवंटित किए जा सकते हैं। इससे छोटे व्यापारियों को आसानी से जगह मिलेगी और उनका सामान जल्दी पहुंचेगा। साथ ही साधारण मालगाड़ी में भी जगह होने पर इस तरह के सामान लदे हुए वैगन जोड़े जा सकेंगे।

नर्सरी में दाखिले की उम्र से उलझन

दो आदेशों में छह माह का अंतर

पहले 1 अप्रेल से आयु गणना, फिर 30 सितंबर से बना नियम

स्कूलों में उम्र विवाद के चलते कई बच्चों को दाखिले से होना पड़ रहा वंचित

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नर्सरी कक्षा में बच्चे के दाखिले की उम्र स्कूल शिक्षा विभाग के दो आदेशों में उलझ गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत तीन साल न्यूनतम उम्र है। लेकिन उम्र की गणना किस माह से हो इसमें छह माह का अंतर है। स्कूल शिक्षा विभाग के एक आदेश में उम्र की गणना एक अप्रेल रखी गई तो दूसरे में इसे 30 सितंबर कर दिया गया है। इससे स्कूल

परेशान हैं वे किसे सही मानें। अभिभावकों से इस संबंध में आए दिन विवाद हो रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार दाखिलों की उम्र के संबध में फरवरी 2024 में स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किए। इस आदेश के तहत नर्सरी में दाखिले की न्यूनतम उम्र तीन साल अनिवार्य है। गणना एक अप्रेल से की जानी है। इसके आधार पर ही स्कूल एडमिशन दे रहे हैं। इस बीच विभाग ने आयु सीमा में छह महीने की छूट देते हुए सितंबर में भी एक आदेश जारी कर दिया। इसमें स्कूलों को बच्चे की उम्र की गणना 30 सितंबर से करने के निर्देश हैं। यानि 30 सितंबर से अब तक अगर तीन साल उम्र पूरी हो तो एडमिशन मिलेगा। स्कूलों में इन दोनों आदेशों से असमंजस की स्थिति है। अधिकांश जगह फरवरी में जारी हुए आदेश के आधार पर गणना हो रही है। जिसके चलते कई बच्चों को एडमिशन से वंचित होना पड़ रहा। अभिभावकों और स्कूल के बीच विवाद के भी मामले सामने आए हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत न्यूनतम आयु 3 साल तय

इस संबंध में प्राइवेट स्कूलों का कहना है कि नर्सरी में दाखिले के लिए आने वाले बच्चों की उम्र की गणना एक अप्रेल से हो रही है। उनके पास संकुल और जिला शिक्षा विभाग से यही आदेश मिला। एक अभिभावक दीपक सोनी ने बताया कि इसके आधार पर बेटा एडमिशन की रेस से बाहर हो गया है। सितंबर से गणना हो तो उसे दाखिला मिल सकता है। ये समस्या कई लोगों के साथ है।

दिन में धूप, शाम को हल्की ठंडक, पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव भी हुआ कम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में इन दिनों मौसम का रुख कभी नरम तो कभी गरम बना हुआ है। फरवरी माह का आखिरी चरण चल रहा है। पश्चिमी विक्षोभ तो लगातार आ रहे हैं, लेकिन बहुत ज्यादा प्रभावी नहीं हैं। इसके कारण मौसम का मिजा-जुला असर दिखाई दे रहा है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण हल्के बादल तो आ रहे हैं, लेकिन मौसम ज्यादातर शुष्क ही रहा है। आने वाले दिनों में भी मौसम इसी तरह रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान में पिछले 24 घंटों में 1.8 तो न्यूनतम तापमान में 1 डिग्री की बढ़ोतरी हुई। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी एचएस पांडे ने बताया कि इस समय उत्तर भारत में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है, साथ ही उत्तर पश्चिम राजस्थान और पाकिस्तान के आसपास एक ऊपरी हवा का चक्रवात भी बना हुआ है, इसके कारण हल्के बादल आ रहे हैं। गुरुवार को भी इस तरह की स्थिति रह सकती है, ऐसे में अधिकतम तापमान में ज्यादा परिवर्तन नहीं होगा, लेकिन न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है। अधिकतम तापमान में डेढ़ डिग्री से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

मेट्रो एंकर | मंदिरों के अभिषेक, अघोरी और सिंधी भगत साधना, शिव मंदिर गूंजे भोले के जयकारों से, जगह-जगह प्रसादी वितरण

महाशिवरात्रि: संतनगर में निकाली भव्य शिव बारात

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

महाशिवरात्रि पर संतनगर दो दिवसीय शिव उत्सव का आयोजन किया। भव्य भोले की बारात निकली, मंदिरों में अभिषेक के आयोजन हुए। मंगलवार रात से पर्व की शुरूआत हो गई थी। भगवान शिव की अघोरी साधना की गई। बुधवार को सुबह से ही मंदिरों-दरबारों में शिव अभिषेक, पूजा-अर्चना, हवन और कालसर्प की पूजा शुरू हो गई थी। भोले की भव्य बारात भी निकली।

उपनगर में शिवरात्रि की पूर्व बेला में मंगलवार रात मिनी मार्केट में अघोरी साधना हुई। जागरण के साथ शिव के अनेक रूपों में लीलाएं दिखाई गईं अघोरी लीलाओं को देखने में ब?ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। स्टेशन रोड उमापति शिव मंदिर में सिंधी भगत गूंजे। अभिषेक भी हुआ। जलाभिषेक और आरती की। शिव मंदिर, गिदवानी पार्क में हवन पूजन, अभिषेक व भंडारे का आयोजन हुआ। शिव मंदिर गोल चक्रा, इलाहाबाद बैंक रोड व अन्य सभी शिव मंदिरों में भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना की गई।

निकली भव्य शिव बारात : शिवरात्रि पर बेहटा गाँव से भव्य शिव बारात निकली, जिसमें डीजे, डमरू और ढोलों पर नाचते हुए शिव भक्त शामिल हुए। बारात संतनगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। मुख्य मार्ग पर पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं ने शिव बारात का स्वागत किया। स्वागत के जगह-जगह प्रसादी के काउंटर लगाए गए थे।

12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन : ब्रह्माकुमारी आश्रम, सीआरपी ने शिवरात्रि पर श्रद्धालुओं को 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराए। कृष्णा प्लॉजा पार्किंग स्थल पर सुबह 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक भव्य झांकी में श्रद्धालुओं ने ज्योतिर्लिंगों के दर्शन किए।

माता मंदिर में हुआ अभिषेक: नुक्कड़ वाली माता मंदिर में महाकाल भोलेनाथ का सहस्त्र धाराओं द्वारा ब्राह्मणों ने अभिषेक कराया। विभिन्न पूजन भी कराए गए। पंडित रवि पटैरिया आचार्य राजेश शर्मा, ,दीपक मिश्रा, प्रदीप शर्मा, मिथुन शर्मा, जीवन प्रसाद तिवारी के सानिध्य में अभिषेक हुआ। वहीं कालिका चौराहे पर श्रद्धालुओं ने बर्फानी बाबा के दर्शन किए। नवयुवक सभा भवन में स्थापित शिव मंदिर शिक्षाविद विष्णु गेहानी, वासदेव वाधवानी, महेश दयारामानी व अन्य ने शिव अभिषेक किया।

वन ट्री हिल्स टैंपल ऑफ संबोधि में रूद्राभिषेक हुआ

संतनगर वन ट्री हिल्स संबोधि में महाशिवरात्रि का पर्व मनाया गया। वेदांत संत लालसाईं की

उपस्थिति में ब्राह्मणों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रुद्राभिषेक कराया। महामृत्युंजय जाप पर भक्तों ने हवन कंड में आहुतियां डालीं। भजन से भोले की साधना की गई। महादेव की आरती की। लालसाईं ने कहा कि महाशिवरात्रि प्रेम और भक्ति का पर्व है। शिव आदि योगी हैं। वे सदैव ध्यान और समाधि में लीन रहते हैं। महादेव ने सृष्टि को अमृतमय और आनंदमय बनाने के लिए समस्त विष का पान किया। लालसाईं ने यवाओं से आग्रह किया कि युवा सभी प्रकार के व्यसन छोड़कर ध्यान और समाधि के आनंद में डूबें। साईंजी ने कहा, भगवान शिव को सभी विद्याओं का जनक हैं। वे तंत्र से लेकर मंत्र तक और योग से लेकर समाधि तक प्रत्येक क्षेत्र के आदि हैं और अंत भी। यही नहीं वे संगीत के आदिसृजनकर्ता भी हैं, और नटराज के रुप में कलाकारों के आराध्य भी हैं। वास्तव में भगवान शिव देवताओं में सबसे अद्भुत देवता हैं । वे देवों के भी देव होने के कारण महादेव हैं तो, काल अर्थात समय से परे होने के कारण महाकाल भी हैं। वे देवताओं के गुरू हैं तो, दानवों के भी गुरू हैं।

अस्थाई बिजली कनेक्शन के नाम पर किसानों से करोड़ों की वसूली!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के डेढ़ लाख से अधिक किसानों से बिजली कंपनियों ने बीते एक साल में करोड़ों रुपये की वसूली की। ये वसूली अस्थाई बिजली कनेक्शन देने के नाम पर की। आगे भी इन किसानों से यह लूट जारी रहेगी। ऐसा इसलिए क्योंकि ये वे किसान है जिन्हें बिजली कंपनियां स्थाई कनेक्शन नहीं दे रही है जबकि इनमें से कई किसान कंपनियों से कनेक्शन मांग रहे हैं। ये कनेक्शन देने में कंपनियां इसलिए पीछे हट रही है क्योंकि कनेक्शन देने के लिए किसानों के खेत में पोल व ट्रांसफार्मर लगाने होते हैं, जिसमें 2 से 5 लाख रुपये तक का खर्च आता है, इसमें से आधा खर्च कंपनियों को उठाना पड़ता है, जिसकी भरपाई सरकार द्वारा की जाती है। सरकार और बिजली कंपनियों के बीच अनबन के कारण इस खर्चे को कोई उठाने के लिए तैयार नहीं है जिसके कारण स्थाई कनेक्शन देने में पसीने छूट रहे हैं, उधर किसानों को हर साल दो से चार महीने के लिए अस्थाई कनेक्शन के नाम पर करोड़ों रुपये चुकाने पड़ रहे हैं, इससे कंपनियों को फायदा हो रहा है।

किसानों को ऐसे चुकाने पड़ रहे रुपए

– सब्सिडी घटाने के बाद थ्री फेज तीन हार्स पावर के अस्थाई पंप कनेक्शन हेतु तीन माह के लिए 5 हजार 503, चार माह के लिए 7 हजार 225 एवं पांच माह के लिए 8 हजार 946 रुपये लिए गए।

– पांच हार्स पावर अस्थाई पम्प कनेक्शन हेतु तीन माह के लिए 8 हजार 946, चार माह के लिए 11 हजार 814 एवं पाँच माह के लिए 14 हजार 683 रुपये देने पड़े।

– साढे सात से आठ हार्स पावर अस्थाई पम्प कनेक्शन हेतु तीन माह के लिए 14 हजार 109, चार माह के लिए 18 हजार 699 एवं पाँच माह के लिए 23 हजार 289 रुपये देने पड़े।

– थ्री फेज दस हार्स पावर अस्थाई पंप कनेक्शन हेतु ग्रामीण क्षेत्र के कृषि उपभोक्ताओं को तीन माह के लिए 17 हजार 552 रूपये, चार माह के लिए 23 हजार 289 रूपये एवं पाँच माह के लिए 29 हजार 26 रुपये देने पड़े है।

स्थाई कनेक्शन देने में आनाकानी!

पक्ष-विपक्ष के दो बड़े नेताओं पर आरोप, लेकिन ईओडब्ल्यू ठिठका

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

विस में उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे व उसके रिश्तेदारों पर सरकारी जमीन हड़पने के आरोप है तो भाजपा के आर्थिक रूप से बड़े सम्पन्न विधायक कहे जाने वाले संजय पाठक से जुड़ी कंपनियों पर सहारा इंडिया की जमीन कौड़ी के दाम हथियाने जैसे सनसनीखेज आरोप है। ईओडब्ल्यू के पास दोनों ही मामलों में अपराध दर्ज है लेकिन जांच एक कदम भी आगे नहीं बढ़ रही है। माना जा रहा है कि इन हाईप्रोफाइल मामलों की जांच में अफसरों के पसीने छूट रहे हैं।

बीडीए से भूखंड हड़पने के लगाए आरोप

ईओडब्ल्यू में दर्ज मामले के अनुसार भोपाल के हर्ष वर्धन नगर निवासी शिकायतकर्ता सीआर दत्ता ने 10 साल पहले वर्ष 2015 में शिकायत की थी। जिसमें आरोप है कि मेसर्स हाई स्पीड मोटर्स भोपाल व उनके मालिक हेमंत कटारे व अन्य ने 2004 से 2009 के बीच बीडीए से एक योजना में नियम विरुद्ध तरीके से प्लाट हासिल किया। इसमें बीडीए के तत्कालीन सीईओ पीके राही व उनके ओएसडी मनोज वर्मा ने दस्तावेजों में हेरफेर कर अन्य लोगों को लाभ से वंचित रखते हुए मेसर्स हाई स्पीड मोटर्स भोपाल मदद की थी। मेसर्स हाई स्पीड मोटर्स भोपाल, उनके मालिकान व बीडीए के तत्कालीन अफसरों ने नियम विरुद्ध तरीके से उक्त प्लॉट के भूमि उपयोग में बदलाव किए और उसे व्यावसायिक बनाया गया। आवंटित प्लॉट की कीमत का निर्धारण भी मेसर्स हाई स्पीड मोटर्स को बिना निविदा के अनुचित लाभ पहुंचाते हुए किया गया।

मामला कटारे व पाठक से जुड़ी कंपनियों का

विधायक के करीबियों ने सहारा इंडिया की भोपाल, कटनी और जबलपुर की करीब 310 एकड़ जमीन 90 करोड़ में खरीदी

वहीं भाजपा विधायक संजय पाठक की करीबी कंपनियों पर आरोप है कि उनमें शामिल विधायक के करीबियों ने सहारा इंडिया की भोपाल, कटनी और जबलपुर की करीब 310 एकड़ जमीन 90 करोड़ में खरीदी है। जबकि उक्त् जमीन की बाजार कीमत करीब खरीदी के समय 1000 से अधिक थी। इतना ही नहीं, इन जमीनों का उपयोग भी बदला गया है। ऐसा करके सरकार से स्टाम्प ड्यूटी की चोरी की है। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि उक्त मामले में ये 90 करोड़ रुपये में से आधे भी सहारा इंडिया के पास नहीं पहुंचे। जिसकी वजह से उन लोगों की देनदारियां लौटाने में परेशानियां हुई है जिन्होंने सहारा इंडिया में निवेश किया था। यदि सहारा इंडिया को सही समय में पूरा पैसा मिला होता तो उसमें निवेश करने वाले आम लोगों को परेशान नहीं होना पड़ता।

10वीं बोर्ड परीक्षा आज शुरू , पहला पेपर हिंदी का

माशिमं: 12वीं के हिंदी के पेपर में प्रदेश में बने 9 नकल प्रकरण भोपाल में मिले 3 नकलची छात्र

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की परीक्षाएं बारहवीं के हिंदी के प्रश्नपत्र से शुरू हो गई हैं। पहले दिन करीब 7 लाख 6 हजार 475 विद्यार्थी इस परीक्षा में शामिल हुए। वहीं राजधानी भोपाल में 21 हजार 268 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। हिंदी के पेपर में प्रदेशभर में 9 नकल प्रकरण दर्ज किए गए। इसमें भोपाल के 3, डिंडोरी में 3 सहित अन्य जिलों के प्रकरण शामिल हैं। भोपाल के बैरसिया क्षेत्र स्थित शास. उमा विद्यालय नजीराबाद में यह तीनों नकल प्रकरण दर्ज किए गए। परीक्षा सुबह 9 बजे से 12 बजे तक आयोजित की गई।

सीबीएसई बोर्ड कराएगा 10वीं की दो बार परीक्षा, 9 मार्च तक सुझाव आमंत्रित

भोपाल। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा अब 10वीं की परीक्षा दो बार कराई जाएगी। दो बार होने वाली इन परीक्षाओं का ड्राफ्ट सीबीएसई ने जारी कर दिया है। सीबीएसई ने हाल ही में ड्राफ्ट पॉलिसी जारी कर दी है, जिस पर 9 मार्च तक सुझाव मांगे गए हैं। बताया जा रहा है कि ये योजना विद्यार्थियों में परीक्षा के दबाव को कम करने और छात्रों को अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का अवसर देगी। इसका उद्देश्य परीक्षा से संबंधित तनाव को कम करना है, साथ ही अधिक समग्र मूल्यांकन प्रणाली सुनिश्चित करना है। नए बदलाव के तहत 2026 में होने वाली 10वीं की परीक्षा का पहला राउंड 17 फरवरी 2026 से शुरू होकर 6 मार्च 2026 तक चलेगा। दूसरे राउंड की बोर्ड परीक्षा 5 मई 2026 से 20 मई 2026 तक चलेगी। हालांकि इस पर अंतिम मुहर लगना अभी बाकी है।

भारत सहित विश्व के 50 देशों में आयोजित होगा विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड

भोपाल. दोपहर मेट्रो। भारतीय कला, साहित्य और संस्कृति के साथदृसाथ हिंदी भाषा को संपूर्ण विश्व में लोकप्रियता बनाने की पहल के तहत विश्वरंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलिंपियाड 2025 का आयोजन 50 से अधिक देशों में विश्व रंग फाउंडेशन, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल (भारत), विश्व हिंदी सचिवालय (मॉरीशस) के संयुक्त तत्वावधान में तथा टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र सहित विश्व की एक हजार संस्थाओं के सहयोग से 14 सितंबर हिंदी दिवस से 30 सितंबर 2025 विश्व अनुवाद दिवस तक आयोजित किया जा रहा है। इसी क?ी में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर भोपाल में आयोजित हुए समारोह में विश्वरंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलिंपियाड 2025 के पोस्टर का अनावरण स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय में किया गया।

ओलंपियाड-2025 के पोस्टर का हुआ अनावरण, 14 से 30 सितंबर 2025 विश्व अनुवाद दिवस का आयोजन होगा

हिंदी भाषा सीखने वालों की संख्या काफी बढ़ी: संतोष चौबे

इस संबंध में बात करते हुए विश्वरंग के निदेशक संतोष चौबे ने कहा कि भारतीय कला, साहित्य और संस्कृति के साथ-साथ हिंदी भाषा ने संपूर्ण विश्व में लोकप्रियता के नए आयाम गढ़े हैं। विदेशों में भारतीय कला, साहित्य, संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत को जानने तथा इसके लिए हिंदी भाषा सीखने वालों की संख्या काफी बढ़ी है। यह बहुत सुखद है कि हिंदी वैश्विक स्तर पर रोजगारमूलक भाषा के रूप में भी स्थापित हो रही है। वैश्विक स्तर पर साहित्य, कला और संस्कृति के लिए समर्पित विश्वरंग महोत्सव ने अपने छह संस्करणों में हिंदी और भारतीय भाषाओं के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में वैश्विक नई जमीन तैयार की है। इसी दिशा में एक कदम आगे ब?ने हुए अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड की पहल की गई है।

दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों ने दिया धरना

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच आरजीवीपी कर्मचारी समिति के बैनर तले स्थाई कर्मियों एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का धरना 13 वे दिन भी जारी रहा धरने में अमर अहिरे जगदीश शर्मा शाजली इजहार आदि दर्जनों कर्मचारी शामिल थे। कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि जब तक दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थाई कर्मी योजना का लाभ देने एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी का श्रेणी परिवर्तन कर अर्ध कुशल श्रमिक एवं कुशल श्रमिक का दर्जा देने स्थाई कर्मियों को सातवां वेतनमान का लाभ देने का प्रस्ताव आर जी वी पी प्रशासन समिति की बैठक में पारित नहीं हो जाएगा तब तक अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा

दोनों बोर्ड परीक्षाओं में16.60 लाख विद्यार्थी दे रहे हैं इम्तिहान

आज 10वीं के हिंदी पेपर में प्रदेश के 9.53 लाख विद्यार्थी शामिल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की परीक्षाएं शुरू हो गई हैं। बारहवीं के बाद अब गुरूवार को कक्षा दसवीं के पेपर की शुरूआत हो गई है। कक्षा दसवीं का पहला पेपर हिंदी का है।

इस साल हाईस्कूल (कक्षा 10वीं) परीक्षा में 9 लाख 53 हजार 777 विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं। वहीं बारहवीं कक्षा का 28 फरवरी को अंग्रेजी का पेपर होगा।इस परीक्षा में करीब 7 लाख 6 हजार 475 विद्यार्थी शामिल हो रहे। दोनो कक्षाओं की परीक्षाओं में इस बार करीब 16.60 लाख विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं। परीक्षा का समय सुबह 9 बजे से 12 बजे निर्धारित किया गया है।?खास बात यह भी है कि इस बार परीक्षा केंद्रों पर ईमानदारी की पेटी रखी जा रहीं हैं।

हर केंद्र पर पेटी, संवेदनशील केंद्रों पर रखी गई विशेष नजर

मंडल द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, प्रत्येक परीक्षा केंद्र के बाहर एक पेटी रखी गई हैं। प्रदेश के लगभग 3 हजार 887 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इस बार दोनों कक्षाओं की परीक्षा के लिए 562 संवेदनशील व अति संवेदनशील केंद्र बनाए गए हैं। भोपाल जिले में 103 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। नकल की रोकथाम के लिए ब्लॉक स्तर पर 2, जिला स्तर पर 2 टीमें जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा बनाई गई हैं। वहीं जिला प्रशासन की 5 से 6 टीमें भी एसडीएम क्षेत्रों के हिसाब से निरीक्षण कर रही हैं। वहीं माशिमं एवं लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा भी संभागीय स्तर पर भी टीमें बनाई गई हैं।

सीबीएसई 10वीं का उर्दू, बंगाली, 12वीं में केमिस्ट्री

सीबीएसई बोर्ड द्वारा गुरूवार को 10वीं का उर्दू, बंगाली सहित अन्य भाषाओं का पेपर आयोजित किया जा रहा है। वहीं 12वीं कक्षा का केमिस्ट्री का पेपर होगा। परीक्षा का समय सुबह 10:30 से दोपहर 1:30 बजे तक निर्धारित किया गया है।

यहां आपको हम बता दें कि पूरे प्रदेशभर में कक्षा 10वीं के 1.17 लाख और कक्षा 12वीं के करीब 78 हजार विद्यार्थी सीबीएसई परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। इनके लिए परीक्षा 493 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। राजधानी भोपाल की बात करें तो यहां लगभग 40 केन्द्रों पर करीब 12 हजार स्टूडेंट परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। इनमें भोपाल के 105 स्कूलों के 10वीं के 11,247 और 12वीं के 9463 विद्यार्थी हैं। इनमें केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय से लेकर प्राइवेट स्कूल तक शामिल हैं।

संपादकीय

टेस्ला की आहट और भारतीय बाजार

दुनियाभर में चर्चित व ड्रीम कार मानी जाने वाली टेस्ला की भारत में दस्तक बहुत बडे बदलाव का प्रतीक बनती नजर आ रही है। इससे कार उद्योग में भी हलचल हैं। दरअसल तीन वर्ष में दो बार इस तरह की संभावना बनी थीं। अब इस साल की दूसरी तिमाही में टेस्ला भारत की सड़कों पर उतर सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान इसी महीने टेस्ला के मुखिया ईलॉन मस्क ने उनसे मुलाकात की थी और शायद उस बैठक ने दुनिया की इस दूसरी सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक कार कंपनी को भारत पर दांव खेलने का हौसला दिया है। टेस्ला के साथ बातचीत को शुल्क पर पुनर्विचार करने के भारत सरकार के कदम का हिस्सा भी माना जा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने उनके देश को होने वाले भारतीय निर्यात पर जवाबी ऊंचा शुल्क लगाने की धमकी दी है, जिसके बाद सरकार यह कवायद कर रही है। लेकिन टेस्ला पर सरकार का रुख पिछले साल ही बदला लगा था, जब उसने इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों को पांच साल में पूरी तरह तैयार सीबीयू वाहनों की 40 हजार तक इकाइयां 15 फीसदी सीमा शुल्क पर आयात करने की इजाजत दे दी थी। इन पर पहले 100 फीसदी सीमा शुल्क लगता था। लेकिन एक साल में 8हजार से अधिक सीबीयू वाहन आयात नहीं किए जा सकते। इसके साथ शर्त हैं कि वाहन निर्माता कंपनी को भारत में 50 करोड़ डॉलर निवेश करना होगा, जिसमें कारखाना लगाना शामिल है और 50 फीसदी निवेश तीन साल के भीतर करना होगा। अब खबरें हैं कि टेस्ला भारत में असेंबली कारखाने के लिए जगह और सेल्स टीम के लिए कर्मचारी तलाश रही है। ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या इससे भारत के इलेक्ट्रिक कार उद्योग को झटका तो नहीं लगेगा? लेकिन यह भी खबरें हैं कि ट्रंप ने अपने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी के मुखिया मस्क से इस बात पर नाराजगी जाहिर की है कि टेस्ला अमेरिका के बजाय भारत में कारखाना लगाने के लिए निवेश क्यों कर रही है। दूसरी वजह भारत में ईवी कार का बाजार बहुत छोटा है और 2024 में महज 2.3 फीसदी बाजार इनके पास था। हालांकि टेस्ला के मॉडलों पर लिखा उसका नाम बहुत कीमती है और खास तरह के ग्राहक उसे खरीदने के लिए दौड़े-दौड़े आएंगे मगर इन ग्राहकों की तादाद इतनी ज्यादा होगी कि कंपनी को भारत में विनिर्माण कारखाना लगाना पड़ जाए, यह मुश्किल लगता है। कहा जा रहा है कि टेस्ला की सीबीयू कार बर्लिन गीगाफैक्टरी से भारत लाई जाएंगी और शुल्क कम रहने पर भी इनकी कीमत बहुत अधिक होगी। टेस्ला की कीमतों की बात करें तो इसका साइबरट्रक 50 लाख रुपये का हो सकता है और 5 सीट वाली एसयूवी एक्स की कीमत 2 करोड़ रुपये तक जा सकती है। दुनियाभर में इसका सबसे ज्यादा बिकने वाला मॉडल वाई भी यहां 70 लाख रुपये के करीब पड़ेगा। भारत में इलेक्ट्रिक कार की औसत कीमत 6 लाख रुपये से 3 करोड़ रुपये तक है और इस हिसाब से टेस्ला की कारों के औसत दाम काफी ज्यादा बैठेंगे। भारत में सबसे महंगा ईवी रॉल्स रॉयस स्पेक्टर है, जो 7.5 से 7.8 करोड़ रुपये का पड़ता है। मगर ज्यादातर लक्जरी इलेक्ट्रिक कार 1.65 करोड़ रुपये से 3 करोड़ रुपये के बीच आ जाती हैं। मर्सिडीज को छोड़ दें तो 2024 में अधिकतर ईवी कार कंपनियों की बिक्री या तो ठहरी रही या गिर गई। टेस्ला की बिक्री भी दुनिया भर में घट रही है, इसलिए भारत पर उसका दांव भी मुश्किल ही होगा।

प्राणी के जीवन में सन्तोष दरिद्रता का दूसरा नाम है।
- प्रेमचन्द

खतरे में है कश्मीर की नैसर्गिक अस्मिता

■ पंकज चतुर्वेदी

बीते कुछ सालों में कश्मीर घाटी के मौसम में बदलाव यहां के नैसर्गिक पर्यावरण के अस्तित्व के लिए खतरा बन गया है। आमतौर पर 21 दिसंबर से 29 जनवरी तक कश्मीर घाटी में चिलई कलां के दौरान तापमान शून्य से नीचे और भारी बर्फबारी होती है। मौसम विज्ञानियों ने भविष्यवाणी की थी कि 2024-2025 में ला नीना प्रभाव के कारण इस क्षेत्र में अच्छी बरसात होगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। न बर्फ गिरी और न ही बरसात। मौसम विभाग ने पहले ही कश्मीर घाटी में जनवरी के महीने में 81 प्रतिशत कम बारिश होने के चलते अलर्ट जारी किया है। कठुआ में पिछले करीब तीन माह के दौरान क्षेत्र में इस बार पर्याप्त वर्षा न होने के कारण किसानों की फसलें सूखने के कगार पर आ गई हैं।सर्दियों में गर्मी का खेती-किसानी पर असर कई तरीके से हो रहा है। तापमान बढ़ने से कीटों की सुप्तावस्था जल्दी समाप्त हो जाती है, जिससे उनके संक्रमण चक्र बढ़ जाते हैं। जब फल के पेड़ों पर फूल आते हैं, तभी कीट का प्रकोप बढ़ने पर कीट नियंत्रण अधिक कठिन हो जाता है। पुष्पावस्था में कीटनाशकों का छिड़काव उपज और गुणवत्ता दोनों को प्रभावित करता है। सेब फल के पत्तों को खाने वाले कीट सक्रिय हो जाते हैं। इसके अलावा पत्ता गोभी सहित अधिकांश सब्जियों के पौधों पर कीट हमला कर रहे हैं। उच्च तापमान से कुछ ऐसे एंजाइमों का उत्पादन होता है जो समशीतोष्ण फलों के पेड़ों के लिए हानिकारक होते हैं। आलूबुखारा, खुबानी, चेरी, नाशपाती और यहां तक कि सेब जैसी बागवानी फसलों पर जल्दी फूल लगने से उनका उत्पादन चक्र गड़बड़ा रहा है और अनुकूल मौसम न होने के कारण या तो फूल फल में परिवर्तित नहीं हो पा रहे या फिर बहुत कमजोर हो रहे हैं। तापमान का असर मधुमक्खी और भंवरे जैसे कीटों पर भी पड़ा है, जिससे परागण की नैसर्गिक प्रक्रिया प्रभावित हुई है। वैसे भी सेब की अच्छी फसल के लिए चालीस दिन के लिए कड़ाके की ठंड अनिवार्य होती है जो इस बार दिखी नहीं। कुछ साल पहले तक कश्मीर में सालाना 20 से 25 लाख मीट्रिक टन से अधिक सेब की पैदावार होती थी, अब यह घट कर केवल 17-18 लाख मीट्रिक टन रह गई है। जलवायु परिवर्तन से सर्वाधिक प्रभावित हुई है केसर की खेती। बेमौसम गर्मी के कारण न तो उसकी जड़ों का विस्तार हो पा रहा है और न ही पौधे की वृद्धि। कम बर्फबारी का सबसे दूरगामी कुप्रभाव है यहां की जल निधियों का अभी से सूखना। गांदरबल जिले की कई सरिताएं और छोटी नदियां अब सूख चुकी हैं। अनंतनाग जिले के मशहूर अचाबल तालाब में तली दिख रही है। कभी इससे 15 गांवों को पानी की आपूर्ति और कई सौ एकड़ धान के खेतों की सिंचाई होती थी। अनंतनाग जिले में वेरीनाग स्रोत में पानी का बहाव बहुत कम हो गया है। वेरीनाग से झेलम नदी निकलती है, जो घाटी के बीच से अनंतनाग, पुलवामा, श्रीनगर, गांदरबल, बांदीपोरा और बारामूला जिलों तक बहती है और फिर पाकिस्तान के मिथनकोट में सिंधु नदी में मिल जाती है। सिंधु में मिलने से पहले, झेलम और रावी चेनाब नदी में मिलती हैं। समझा जा सकता है कि झेलम की धार कमजोर होने का अर्थ है कि कश्मीर में भयानक जल संकट। इससे भी बड़ा संकट है जमीन और जंगलों के शुष्क होने का। यह जंगल की आग का बड़ा कारक होता है। वैसे भी कश्मीर में जंगल साल दर साल कम हो रहे हैं। ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में, जम्मू और कश्मीर ने 112 हेक्टेयर प्राकृतिक वन को खो दिया। वर्ष 2020 में, इस क्षेत्र में 1.15 मिलियन हेक्टेयर प्राकृतिक वन था, जो इसके भूमि क्षेत्र का 11 प्रतिशत था। हालांकि, इस क्षेत्र में जंगल में आग की घटनाओं में इजाफा हुआ है और इसका मूल कारण भी कम बर्फबारी से उत्पन्न शुष्क परिवेश है। वर्ष 2001 और 2023 के बीच, जम्मू और कश्मीर में आग लगने से 23 प्रतिशत पेड़ों का नुकसान हुआ। आमतौर पर, एक चिनार 30 मीटर (98 फीट) या उससे अधिक तक बढ़ता है, और अपनी दीर्घायु और फैले हुए मुकुट के लिए जाना जाता है। पेड़ों को अपनी परिपक्व ऊंचाई तक पहुंचने में लगभग 30 से 50 साल लगते हैं और उन्हें अपने पूर्ण आकार तक बढ़ने में लगभग 150 साल लगते हैं।कश्मीर के वन विभाग की 2021 की एक पुस्तिका के अनुसार, कश्मीर में चिनार के पेड़ों की संख्या में गिरावट आई है। जंगल कम होने से कस्तूरी मृग और अन्य कई दुर्लभ जानवरों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। हाल के वर्षों में यहां बर्फबारी और बारिश में भारी कमी के चलते कई गंभीर समस्याएं पैदा हो रही हैं, जो एक बड़े जलवायु संकट का संकेत है। सरकार और स्थानीय प्रशासन को जल संरक्षण, वनीकरण और जलवायु अनुकूलन रणनीतियों पर ध्यान देना होगा। साथ ही, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत है, ताकि भविष्य की पीढ़ियों के लिए कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता और संसाधन सुरक्षित रह सकें।

एक अहम विचारणीय सवाल यह है कि आईआईटी और आईआईएम के प्रतिभाशाली ग्रेजुएट ग्रामीण इलाकों में काम क्यों नहीं करना चाहते. उनमें से कई तो शहरों में अपना करियर बनाने की आकांक्षा रखते हैं क्योंकि वहां विकास की असीम संभावनाएं होती हैं, लेकिन शहरों पर बोझ को कम करना शिक्षित कुलीनों को ग्रामीण क्षेत्रों में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करने पर ही निर्भर है. जिस तरह कॉर्पोरेट सेक्टर को ग्रामीण बाज़ारों की अछूती संभावनाओं का एहसास होना चाहिए, बुद्धिजीवियों और उद्यमियों को भी ग्रामीण भारत के विकास में अपनी भूमिका के बारे में पुनर्विचार करना चाहिए। मैं उस दिन का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूं जब ये ग्रेजुएट दूरदराज़ के इलाकों में काम करने का फैसला करेंगे और ग्रामीण क्षेत्र को भारत के आर्थिक परिदृश्य में समाहित करने में मदद करेंगे. इस तरह की पहल से ही हम अपने शहरों को राहत दिला पाएंगे और ग्रामीण भारत को समृद्ध बना पाएंगे। भारत के भविष्य को आबादी के बोझ से दबे शहरों से नहीं बल्कि गतिशील, आत्मनिर्भर ग्रामीण समुदायों से ही परिभाषित किया जाना चाहिए।

आज का इतिहास

■ 1931ः देश के महान क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद ने ब्रिटिश पुलिस के साथ मुठभेड़ में गिरफ्तारी से बचने के लिए इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में खुद को गोली मार ली।

1931ः देश के महान क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद ने ब्रिटिश पुलिस के साथ मुठभेड़ में गिरफ्तारी से बचने के लिए इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में खुद को गोली मार ली।1953ः अंग्रेजी भाषा को आने वाली पीढ़ियों के लिए आसान बनाने के इरादे से ब्रिटेन की संसद में %स्पैलिंग बिल% का प्रस्ताव पेश किया गया

1991ः अमेरिका के राष्ट्रपति जार्ज बुश ने फारस खाड़ी युद्ध में जीत दर्ज करने की घोषणा के साथ ही युद्धविराम का ऐलान किया। अगस्त 1990 में इराक द्वारा कुवैत पर हमले के बाद यहां अमेरिका ने दखल दिया था।

1999ः नाइजीरिया में 15 साल में पहली बार असैन्य शासक चुनने के लिए मतदान। बड़ी संख्या में लोग वोट डालने पहुंचे।

2002ः गुजरात के अहमदाबाद जाने वाली साबरमती एक्सप्रेस को भीड़ ने गोधरा स्टेशन पर आग के हवाले किया। 59 कार सेवकों की मौत

2009ः अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा ने ऐलान किया कि इराक से अगस्त 2010 तक तमाम लड़ाकू सेनाओं को हटा लिया जाएगा और शेष सैनिक 2011 के अंत तक घर लौट जाएंगे।

2010ः चिली में 8.8 की तीव्रता का भीषण भूकंप और सुनामी से तटीय इलाकों में भारी तबाही। इसे पिछले 50 साल में इलाके का सबसे शक्तिशाली भूकंप बताया गया।

निशाना

-कृष्णेन्द्र राय

किया गलत सब काम !
है आई रिपोर्ट ।
घाटा है दिखाया ।।
आने वाली आंच ।
पहले ही सफाया ।।
मुश्किलें अब कम होने का ।
ले रहीं ना नाम ।।
और सारी चीजें ।
साफ हुईं तमाम ।।
अवसर को भुनाया ।
किया गलत सब काम ।।
झांसा और लालच से ।
पहुंचे इस मुकाम ।।
उत्तर देना भारी ।
हुआ खस्ता हाल ।।
छोड़ेंगे ना पीछा ।
बड़े अब सवाल ।।

ग्रेजुएट्स को छोटे शहरों में काम करने के लिए प्रोत्साहित करें

■ कार्ति पी चिदंबरम

शहरों को आर्थिक गतिविधियों और प्रगति का केंद्र माना जाता रहा है. वह ग्रामीण इलाकों के लोगों को बेहतर ज़िंदगी जीने के स्रोत के रूप में आकर्षित करते रहे हैं, लेकिन इस आकर्षण के कारण आबादी का रिकॉर्ड विस्थापन भी हुआ है. जिन स्थानों को तकदीर बनाने के साधन के रूप में देखा जाता रहा है वह अब कठिन चुनौतियां पेश कर रहे हैं। एक अच्छी ज़िंदगी की तलाश में लोगों ने शहरों में भीड़ बढ़ा दी है, जिसके चलते शहरी इंतजामों, सुविधाओं और जीवन स्तर पर भारी दबाव पड़ा है. जिन ताकतों ने शहरों को पहले कभी कामयाब बनाया था, वह अब उनके वजूद के लिए चुनौती बन रही हैं। इस उभरते खतरे को दूर करने के उपाय करना ज़रूरी है. केवल भीड़ कम करने से काम नहीं चलेगा बल्कि नज़रिया बदलने की ज़रूरत है ताकि आबादी शहरों से गांवों की ओर लौटे।

सदियों से आबादी का देश के अंदर और दूसरे देशों की ओर विस्थापन शहरीकरण को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता रहा है. यह प्रवासियों, शहरों, और सरकारों के लिए नए मौके और नई चुनौतियां पेश करता रहा है. दुनिया में शहरीकरण में वृद्धि तय है और माना जा रहा है कि 2030 तक कुल आबादी का 60 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा शहरों में आकर बस जाएगा. इसके कारण शहरी और ग्रामीण जीवन के बारे में हमारा नज़रिया बदल जाने वाला है। कोविड-19 महामारी के कारण दफ्तर से दूर रहकर काम करने ('रिमोट वर्किंग') का जो चलन शुरू हुआ उसने लोगों के लिए नए मौकों के दरवाजे खोल दिए, वह अब कहीं भी रहकर काम कर सकते हैं. बड़ी संख्या में कर्मचारी, खासकर नई पीढ़ी वाले कर्मचारी ग्रामीण इलाके में निवास की तलाश कर रहे हैं. सर्वेक्षणों से ज़ाहिर है कि 'रिमोट वर्किंग' की सुविधा ने निवास के लिए कस्बाई इलाके के प्रति आकर्षण में इजाफा किया है. स्पेन, आयरलैंड, पुर्तगाल, अमेरिका, जापान जैसे कई देश ग्रामीण अर्थव्यवस्था को ताकत देने और गांवों से आबादी के पलायन को रोकने तथा गांवों की ओर विस्थापन को बढ़ावा देने के लिए पुनर्स्थापन अनुदान, टैक्स क्रेडिट, भत्तों आदि की पेशकश कर रहे हैं. उदाहरण के लिए जापान में टोक्यो महानगर क्षेत्र से बाहर जाकर बसने के लिए परिवारों को प्रति संतान 7,600 डॉलर का अनुदान दिया जा रहा है, जबकि पुर्तगाल में कस्बों में जाकर बसने वाले कर्मचारियों को पुनर्स्थापन अनुदान दिया जा रहा है। आयरलैंड में सरकार ग्रामीण अंचलों में कार्यालय आदि स्थापित करने के लिए पुनर्स्थापन भत्ते, टैक्स में छूट, और वित्तीय मदद तक दे रही है. अमेरिका का वर्मोंट प्रांत दफ्तर से दूर रहकर काम करने वालों को कस्बों की ओर आकर्षित करने के लिए 7,500 डॉलर का अनुदान दे रहा है. स्पेन ने गांवों से लोगों के पलायन को रोकने के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से 10 अरब यूरो की योजना बनाई है, जिसमें उन स्थानों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा जहां की आबादी में 1950 के बाद से 50 फीसदी की कमी आई है। इन नीतियों को 'रिमोट वर्किंग' के बढ़ते चलन ने प्रोत्साहित किया है, जो शहरों की ओर पलायन को रोकने के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा दे सकता है. यह भारत के लिए भी एक अनुकरणीय उदाहरण बन सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के मुताबिक, भारत में शहरीकरण की रफ्तार काफी तेज़ है. अनुमान है कि 2036 तक भारत की 40 फीसदी आबादी यानी 60 करोड़ लोग शहरों में बस जाएंगे. 2011 में इसका जो आंकड़ा

था उसके मुकाबले यह 31 फीसदी ज्यादा है. यह भविष्य के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकती है। शहरीकरण की रफ्तार समस्या नहीं है. समस्या यह है कि इस विस्तार के हिसाब से शहरी सुविधाओं और सेवाओं का विस्तार नहीं हो पा रहा है. आबादी के प्रवाह से शहरों में भीड़भाड़ की समस्या गंभीर रूप ले रही है और सामाजिक तथा आर्थिक संस्थानों पर दबाव बढ़ रहा है। कई सेक्टर ऐसे हैं जिन्हें अच्छी तरह काम करने के लिए, पूरे देश और खासकर कस्बों-गांवों में व्यापक वितरण के लिए बहुत बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर या संपर्कों का जाल नहीं चाहिए. मसलन, शेयरों का कोई व्यापारी कस्बे या गांव में रहकर भी काम कर सकता है क्योंकि उसका काम बड़े महानगरीय केंद्रों तक पहुंच से ज्यादा, डाटा और टेक्नोलॉजी से जुड़ा होता है।

इसी तरह, सरकरी दफ्तर, मंत्रालय एक ही स्थान पर हों यह ज़रूरी नहीं है. महत्व और उपयोगिता के हिसाब से इन दफ्तरों को स्थापित करने से न केवल शहरों में भीड़भाड़ कम होगी बल्कि संसाधनों का कुशल बंटवारा भी होगा. यहां तक कि संसद की बैठकें भी नई दिल्ली से बाहर की जा सकती हैं. उदाहरण के तौर पर मान लीजिए की कर्नाटक के विधान सौधा में एक संसद सत्र करवाया जाए. इस तरह दिल्ली पर बोझ को कम किया जा सकता है और देश के सभी क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व बढ़ सकता है। यह सब अति आशावादी और महत्वाकांक्षी लग सकता है, फिर भी आबादी के उलटे विस्थापन के ज़रिए ग्रामीण भारत को नई ताकत देने के प्रस्ताव में काफी संभानाएं हैं, लेकिन इससे पहले कई रोड़ों को हटाना पड़ेगा. सबसे बड़ा रोड़ा यह है कि पढ़ा-लिखा मिडिल-क्लास गांवों-कस्बों में नहीं रहना चाहता. ऊंची शिक्षा और बेहतर रोज़गार की चाहत समाज के मानस में गहरे जमी हुई है। परिवार अपने बच्चों को पढ़ने के लिए बड़े शहरों के बड़े संस्थानों में भेजते हैं ताकि वह मोटी कमाई कराने वाली नौकरी में वहीं बस जाएं. यह विशेषाधिकार केवल चंद भाग्यशाली लोगों तक सीमित नहीं रहा है. यह सांस्कृतिक मानदंड बन गया है, लेकिन इसके कारण शहरों में भीड़भाड़ बढ़ी है और वहां की ज़िंदगी मुश्किल हो गई है। उलटा विस्थापन तभी एक व्यावहारिक समाधान बन सकता है जब ग्रामीण क्षेत्रों में जा बसने की अनिच्छा के मूल कारणों को दूर किया जाता है. इस परिवर्तन का एक प्रमुख तत्व है – ग्रामीण इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास. सड़कों, बिजली, पानी, संपर्क के साधनों का विकास ग्रामीण इलाकों को हुनरमंद प्रोफेशनलों के लिए आकर्षक बनाएगा.इसके अलावा कृषि आधारित उपक्रमों, हस्तशिल्प, और वस्त्र उत्पादन जैसे स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देना शहरी लोगों को ग्रामीण इलाकों में आकर बसने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन देगा. लघु स्तरीय व्यवसायों को विकसित करके और उनके लिए प्रत्यक्ष या आभासी बाज़ार उपलब्ध करा के ग्रामीण उपक्रमों के लिए नए मौके पैदा किए जा सकते हैं. इस तरह ग्रामीण अर्थव्यवस्था में निवेश करने को इच्छुक लोगों के लिए आर्थिक अवसरों में वृद्धि की जा सकती है। कृषि ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा सेक्टर है. 2011 की जनगणना के मुताबिक, इसमें 54.6 फीसदी आबादी को रोज़गार हासिल है. आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, बाज़ार तक पहुंच की कमी और पुरानी तकनीक के कारण कृषि में निवेश के लिए और स्टार्ट-अप में शरीक होने के लिए ग्रामीण इलाकों की ओर विस्थापन कम हो रहा है. नीति आयोग के मुताबिक, भारत के कृषि क्षेत्र को नया जीवन देने में कॉर्पोरेट सेक्टर का योगदान नगण्य, 0.2 फीसदी के बराबर है. यह आंकड़ा बताता है कि ग्रामीण भारत में कॉर्पोरेट निवेश की भारी संभावना है, खासकर फसल कटाई के बाद की सुविधाओं (भंडारण, परिवहन, ग्रेडिंग आदि) के मामलों में. बेहद महत्वपूर्ण 'कोल्ड चेन' भी अविकसित अवस्था में है. 'पत्रिका 'डाउन टु अर्थ' के अनुसार, टिकाऊ 'कोल्ड चेन' की अपर्याप्त उपलब्धता के कारण हर साल फसल कटाई के बाद 92,651 करोड़ रुपये के बराबर का घाटा होता है। ग्रामीण भारत में खेतीबाड़ी के आधुनिकीकरण की सख्त ज़रूरत है।

(साभार: लेखक कांग्रेस के सांसद हैं यह उनके विचार हैं)

पचमढ़ी स्थित चौरागढ़ मंदिर में महाशिवरात्रि के दिन एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किये महादेव के दर्शन

पहाड़ों पर हर-हर महादेव के गगनभेदी जयकारे गूंजे

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

महाशिवरात्रि के पावन पर्व ने संपूर्ण नर्मदापुरम जिले को भगवान शिव के प्रति गहरी भक्ति और श्रद्धा से सराबोर कर दिया। लाखों श्रद्धालुओं ने त्रिलोक के स्वामी भगवान आशुतोष के दिव्य आशीर्वाद प्राप्त करने पचमढ़ी एवं जिले के अन्य पवित्र शिवालयों तक पहुँचने के लिए लंबी यात्राएँ की। पूरा नर्मदांचल क्षेत्र का वातावरण÷हर हर महादेव÷ के गगनभेदी जयकारों से गूंजते हुए आध्यात्मिक ऊर्जा से विद्युतीय हो गया। संपूर्ण जिले में इस पावन अवसर पर भगवान भोलेनाथ की पूजन के लिए विशेष प्रार्थना, रात्रि जागरण और पारंपरिक अनुष्ठान हुए। फूलों और जगमगाते दीपों से सजे मंदिरों में बड़ी संख्या में भक्तों ने दर्शन किए, जो उनकी अटूट आस्था और समर्पण को दर्शाता है। इस दौरान पूरा जिला शिव भक्ति का केंद्र बन रहा, धार्मिक आयोजनों, भजन और विशेष पूजा ने त्योहार के पवित्र उत्साह को और बढ़ाया। जिला प्रशासन ने सभी भक्तों के लिए एक सहज और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध अनुभव सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम किए। पचमढ़ी स्थित चौरागढ़ मंदिर में आज महाशिवरात्रि के दिन लगभग एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने चौरागढ़ महादेव के दर्शन किये। प्राप्त जानकारी के अनुसार शाम तक लगभग 3 लाख से अधिक श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर चुके है।

पचमढी को भगवान शिव की तपस्या स्थली माना जाता है। मान्यता है कि महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के लोग भगवान शिव को अपना बहनोई तथा देवी पार्वती को अपनी बहन मानते है, इसलिये विशेष रूप से विदर्भ के श्रद्धालू महाशिवरात्रि पर भगवान शिव को त्रिशूल भेंट करने आते है, भक्तजन बडे बडे तथा सैकड़ों किलो वजन के त्रिशूल लेकर अपने आराध्य को अर्पित करने के लिए दुर्गम रास्तों से पहुँचते हैं। कई श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी होने पर ही मंदिर में त्रिशूल भेंट करते हैं। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित किए गए त्रिशूलों का अंबार लगा हुआ है जो इनकी अपने आराध्य के प्रति अटूट आस्था एवं भक्ति को परिलक्षित करता। इसी प्रकार पचमढ़ी स्थित जटाशंकर महादेव एवं गुप्त महादेव भी अपने पौराणिक महत्व को समेटे हुए हैं। चौरागढ़ महादेव के समांतर ही इन मंदिरों में भी भक्तों की लंबी कतारें इस दौरान देखी गई।

जिला मुख्यालय पर मां नर्मदा के तट पर महाकाल मंदिर की तर्ज पर बना काले महादेव मंदिर स्थित है, जहां बाबा महाकाल की तर्ज पर पूजन होती है। काले महादेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का उज्जैन स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग में से एक बाबा महाकाल ज्योतिर्लिंग की तर्ज पर ही श्रृंगार एवं पूजन की जाती है। मान्यता है कि मंदिर में विराजित शिवलिंग पर लेपित हल्दी को लगा लेने से भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। इस मान्यता के चलते दूर-दराज से भक्त भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने आते हैं।स्थानीय लोगो के अनुसार श्री काले महादेव के नाम से विख्यात यह मंदिर 200 वर्ष पुराना है। नर्मदा तट के किनारे स्थित शिव मंदिरों में यह एक प्रमुख और चमत्कारी शिव मंदिर है।

महाशिवरात्रि के पावन पर्व के दौरान बाबा काले महादेव विशेष चल समारोह से नगर भ्रमण करते हुए मां नर्मदा के तट पर पहुंचते है।

शिवलिंग जहाँ भगवान को सिंदूर चढ़ाया जाता है

प्राचीन तिलक सिंदूर मंदिर एक अनूठा धार्मिक स्थल है। यह विश्व का एकमात्र ऐसा शिवलिंग है जहाँ भगवान शिव को सिंदूर चढ़ाया जाता है। यह मंदिर न केवल अपनी प्राचीनता के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि अपनी अनूठी परंपरा के लिए भी जाना जाता है। यह मंदिर सदियों पुराना माना जाता है। स्थानीय किंवदंतियों के अनुसार, मंदिर का इतिहास पौराणिक काल से जुड़ा हुआ है। इस मंदिर की सबसे खास बात यह है कि यहाँ भगवान शिव को जल, दूध या बेलपत्र के स्थान पर सिंदूर चढ़ाया जाता है। तिलक सिंदूर मंदिर न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि यह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। प्रतिवर्ष तिलक सिंदूर क्षेत्र में मेले का आयोजन किया जाता है जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। प्रति वर्षानुसार तिलक सिंदूर मेले का स्थानीय प्रशासन एवं जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में मंदिर प्रांगण में 4ः00 बजे झंडा चढ़ा कर शुभारंभ किया गया। तकरीबन 200 दुकान आवंटित की गई, इसी के साथ मिले प्रांगण में झूले भी लगे हुए हैं। इस वर्ष तिलक सिंदूर मेले में एक नवाचार भी किया गया , जिससे यूपीआई स्कैन के माध्यम से मंदिर प्रांगण में दान राशि एकत्रित की जाएगी। जो श्रद्धालु अपनी इच्छा से दान करना चाहते हैं वह इस यूपीआई आईडी पर मोबाइल से स्कैन कर दान कर सकते हैं। मेला परिसर में पूर्ण रूप से स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था भी की गई एवं मेले की सुरक्षा एवं निगरानी के लिए पूर्ण मेले में सीसीटीवी कैमरा लगाए भी स्थापित किए गए थे।

बाबा शरद देव का प्राचीन मंदिर

इटारसी शहर से मात्र 30 मिनट की दूरी पर स्थित शरद देव बाबा का मंदिर, जंगल के बीच एक पहाड़ी पर बसा हुआ है। यह मंदिर न केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है, बल्कि यहाँ स्थापित प्राचीन शिवलिंग के लिए भी प्रसिद्ध है। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर इस वर्ष भी मंदिर पर पहुंचकर कई श्रद्धालुओं ने बाबा शरद देव के दर्शन किए। यह मंदिर जिले के सबसे पुराने मंदिरों में से एक माना जाता है। यहाँ स्थापित शिवलिंग कई वर्ष पूर्व खुदाई के दौरान मिला था। शरद देव बाबा का मंदिर हरियाली और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर पहाड़ी पर स्थित है। यहाँ का शांत वातावरण और प्राकृतिक दृश्य श्रद्धालुओं को एक अलग ही अनुभव प्रदान करते हैं।

गंजबासौदा में नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

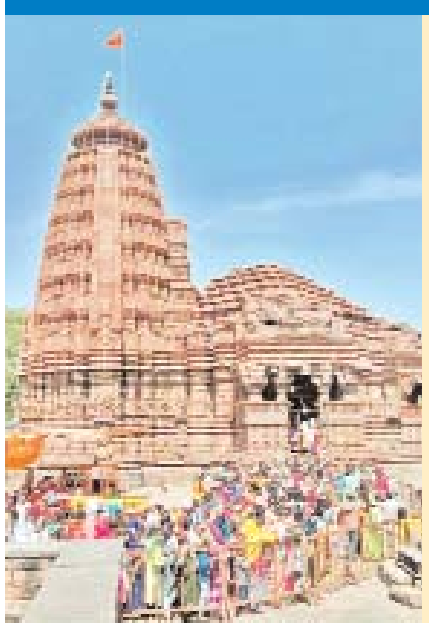

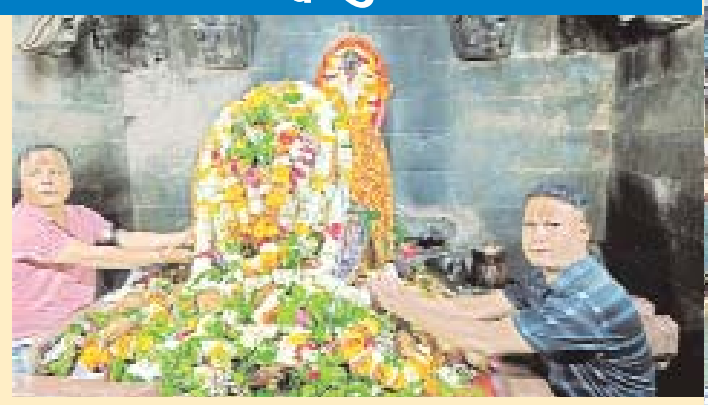

गंजबासौदा। महाशिवरात्रि का पर्व बड़े ही उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। शिव मंदिरों में भगवान भोलेनाथ की पूजन अभिषेक कर धर्म लाभ लिया। वहीं लोगों ने घरों में भी परिवार के साथ भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया। शहर से 18 किमी दूर स्थित उदयपुर में नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर पूजन जलाभिषेक कया। महाशिवरात्रि के पर्व पर नगर में शिव बारात भी निकाली गई। जिसमें श्रद्धालु डीजे की धुन पर भोलेनाथ के भजनों पर नाचते गाते हुए चल रहे थे। बग्गी पर भोले बाबा का रूप धारण कर विराजमान हो कर चल रहे थे। जो नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई उदयपुर स्थित नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर पहुंच पहुंची। उदयपुर प्राचीन नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर को शिवरात्रि के पावन अवसर पर फूलों से आकर्षक रूप से सजाया गया। मंदिर परिसर में वेरिकेट्स लगाकर महिला और पुरुष की अलग-अलग लाइन बनाई गई। मंदिर परिसर में पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था गई थी ताकि श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो। वहीं शहर से सात किलोमीटर दूर ग्राम गमाखर में भी भगवान भोलेनाथ के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं भारी भीड़ रही।

कलेक्टर-एसपी ने पचमढ़ी में मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

महाशिवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर पचमढ़ी में आयोजित महादेव मेले की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के लिए नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह ने देर रात मेला स्थल का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अस्थायी मेडिकल कैंप, श्रद्धालुओं के लिए बनाए गए विश्राम शिविर एवं अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। कलेक्टर सोनिया मीना ने मेले में आए श्रद्धालुओं से बातचीत कर उनकी जरूरतों एवं सुविधाओं की जानकारी ली।पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह ने मेले में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पुलिस बल को सतर्क रहने के निर्देश दिए, जिससे श्रद्धालु निर्विघ्न और सुरक्षित रूप से मेले का आनंद ले सकें। इस दौरान अपर कलेक्टर डी.के सिंह, एसडीएम पिपरिया अनीशा श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जिला प्रशासन द्वारा मेले में स्वास्थ्य सेवाओं, यातायात प्रबंधन एवं साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था की गई है ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। खोया पाया केंद्र पर अपने परिवार से बिछड़ी एक महिला श्रद्धालू को उनके परिवार से संपर्क कर मिलवाया गया। इस दौरान उक्त महिला के विश्राम तथा भोजन आदि की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई। भारी भीड होने से लोग अपने परिजनो से बिछड जा रहे थे, परंतु जिला प्रशासन की मुस्तैदी से प्रत्येक गुमशुदा को अपने परिजनो से मिलवा दिया।

ग्राम ढाबा कला में राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता संपन्न

फाइनल में मस्ताना क्लब ने जय मां काली क्लब को हराया, विजेता हुए पुरस्कृत

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

गत दिवस विशाल राज्यस्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन ग्राम ढाबाकला में किया गया. प्रतियोगिता में प्रदेश की एक से बढ़कर एक कबड्डी टीमों ने भाग लेकर खेल का सराहनीय प्रदर्शन किया.

प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला मस्ताना क्लब डकाच्या और जय मां काली क्लब ढाबा कला के बीच हुआ. जिसमें मस्ताना क्लब में विजय प्राप्त की. तीसरे स्थान पर मेकलसुता ऐकेडमी खातेगाव तथा चौथे स्थान पर आरसीसी भोपाल की टीम रही. प्रतियोगिता में वेस्ट रेडर का पुरस्कार ढाबा कला के अजीत कुमार को मिला.

वेस्ट डिफेंडर का पुरस्कार मस्ताना क्लब डकाच्या के देवेंद्र चौधरी ने प्राप्त किया. वेस्ट ऑलराउंडर के रूप में अवधेश चौधरी क्रष्ट.ष्ट. भोपाल को पुरस्कृत किया गया. प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाडी ढाबा कला के हरदयाल पाल को घोषित किया गया. प्लेयर ऑफ द सीरिज का पुरस्कार (रेंजर साइकिल)मस्ताना क्लब डकाच्या के प्रजवल मस्ताना को दिया गया.

प्रतियोगिता की वेस्ट अनुशासित टीम का पुरस्कार जय माँ राजरानी क्लब नर्मदापुरम को दिया गया. आयोजन समिति द्वारा निर्णायक कमेटी के पंडित महेश शर्मा (सेवा निवृत पुलिस अधिकारी) सहित अन्य निर्णायक एवं रेफरी को भी स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया.

मेट्रो एंकर परेशानी, दुर्घटना और जाम बनी शहर की पहचान

बिगड़ैल यातायात व्यवस्था में नहीं हो रहा सुधार

तेंदुखेडा, दोपहर मेट्रो

वाहनों की बढती हुई जनसंख्या और बेतरतीब पार्किंग के कारण तहसील मुख्यालय तेंदूखेड़ा की यातायात व्यवस्था बुरी तरह चौपट हो गई है।

बिगड़ैल यातायात व्यवस्था में सुधार के कोई प्रयास न होने के कारण मार्गों पर लगने वाले जाम तथा गंभीर दुर्घटना की आशंका लोग परेशान हैं। सड़कों पर लोगों का चलना दूभर हो रहा है लंबे समय से व्याप्त इस समस्या के निराकरण के लिए स्थानीय नागरिक प्रशासन से हमेशा गुहार लगाते है लेकिन इसे लेकर अब तक कोई प्रयास नहीं किए गये इस संबंध में लोगों का कहना है कि छुटपुट घटनाएं तो हमेशा होती है लगता है कि प्रशासन को किसी गंभीर हादसे का इंतजार है।

ऐसा लग रहा है कि नगर की यातायात व्यवस्था बिना किसी दिशा निर्देश के मनमाने ढंग से चल रही है भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भारी वाहनों का प्रवेश बेतरतीब पार्किंग किसी भी स्थान पर लोडिंग अनलोडिंग सड़क पर होने वाले अस्थाई अतिक्रमण सहित अन्य समस्याओं के चलते यातायात बेहद संवेदनशील हो गया है। दिन में मार्गों पर लगने वाले जाम के कारण यातायात चलने की बजाय रेंग रहा है। यातायात पर नियंत्रण न होने से नगर के मुख्य मार्गों चौराहों पर घंटों जाम जैसी स्थिति बन रही है।

वाहनों की मनमानी पार्किंग

खकरिया रोड़ तारादेही रोड़ जामुनखेड़ा रोड़ थाने रोड़ बैंक मार्ग जबलपुर दमोह मार्गों पर वाहनों की आवाजाही होती है वहीं मंडी रोड़ तरफ भारी वाहनों के साथ टैक्टर ट्राली जीप कारों सहित मोटर साईकिलों को मनचाहे ढंग से खड़े हो जाने के कारण सड़कों पर चलना मुश्किल हो जाता है। इसी मार्ग से एक दर्जन सरकारी आफिस व स्कूल भी है। यहां सबसे ज्यादा जाम लगता है और स्कूल कॉलेज व विभाग के कर्मचारियों व अधिकारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मंडी मार्ग पर दुकानदारों द्वारा सड़क पर ही अपना कब्जा कर रखा है।

पिपरिया पुलिस ने बरामद किया 21 किलो गांजा, एक्टिवा एवं मोबाइल

नर्मदापुरम। एसपी डॉ. गुरकरन सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्र के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), पिपरिया मोहित कुमार यादव द्वारा थाना प्रभारी स्टेशन रोड़ पिपरिया निरीक्षक विजय सनस के नेतृत्व में थाना स्टेशन रोड़ पिपरिया की एक टीम गठित कर अवैध मादक पदार्थ की धरपकड़ एवं उसके व्यवसाय पर रोकथाम हेतु लगाया गया था। 25 फरवरी को थाना स्टेशन रोड़ पिपरिया की उक्त टीम द्वारा मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति मंडीटोला अंडर ब्रिज के पास पिपरिया से स्कूटी पर से एक बोरी गांजा लेकर किसी अन्य व्यक्ति को देने के लिये खड़ा है। जिस पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुये घेरा बंदी की गई, किन्तु मौके पर एक एक्टीवा पर एक बोरी में 21 किलो 65 ग्रांम गांजा रखा लावारिस अवस्था में मिला, जिसे मौके पर जप्त किया गया । उक्त गांजे के साथ ही अज्ञात आरोपी का मोबाईल भी जप्त किया गया।

महाशिवरात्रि पर बम भोले के जयकारों से गूंजे शिवालय

निकली शिव बारात, हुए अभिषेक,देवपुर धाम में दर्शन करने श्रद्धालुओं की लगी लम्बी कतारें

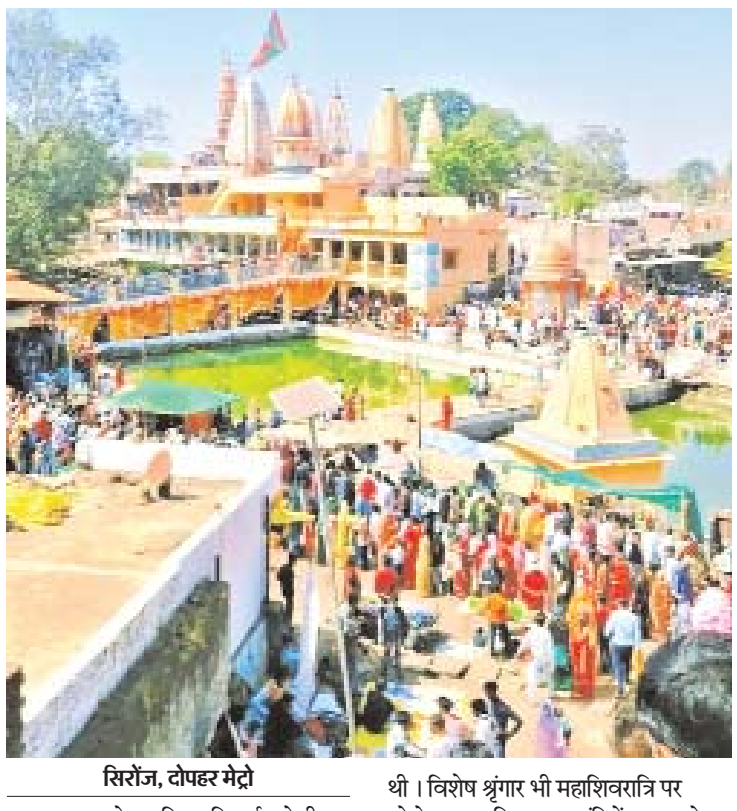

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

बुधवार को महाशिवरात्रि पर्व बड़े ही धूम धाम के साथ नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में मनाया गया भगवान शिव जी की शुभ मुहूर्त में विधि विधान पूजा अर्चना के साथ बेलपत्र धतूरे पंचामृत आदि की सामग्री से आराधना की भजन कीर्तन भी हुए नगर भोले की भक्ति में लीन था श्री तयंबकेश्वर महादेव मंदिर, श्री जटाशंकर महादेव मंदिर, श्री नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर, श्री पंचकुइया मंदिर ,छतरी नाका श्री हनुमान मंदिर सहित शहर के सभी मंदिरों महा अभिषेक एवं अभिषेक सुबह से लेकर देर रात तक हुए वहीं महाशिवरात्रि पर महादेव जी के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं का मंदिरों में प्रातः काल से ही पहुंचने का सिलसिला प्रारंभ हो गया था विधि विधान से विशेष मुहूर्त में भक्तों ने भगवान अभिषेक पूजा अर्चना की इसके चलते मंदिरों में भीड़ ही भीड़ दिखाई दे रही थी । विशेष श्रृंगार भी महाशिवरात्रि पर भोलेनाथ का किया गया मंदिरों पर मनमोहक दृश्य देखते ही बना रहे थे। श्री नागेश्वर महादेव मंदिर से रात्रि में भगवान भोलेनाथ की बारात निकाली जिसमें भगवान शिव जी का स्वरूप रथ पर विराजमान था भक्तजन भोले की भक्ति में लीन होकर झूमते नाचते हुए चल रहे थे। नदी से लेकर सांप बिच्छू आदि भी बाराती के रूप में मौजूद थे। बारात शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए श्री मदन मोहन सरकार मंदिर पर बारात पहुंची जहां पर विधि विधान से भगवान शिव जी और पार्वती जी का विवाह संपन्न हुआ यहां का मनमोहक दृश्य भी देखते ही बन रहा था चारों तरफ भक्त ही भक्त दिखाई दे रहे थे। भगवान शिव जी पार्वती जी के विवाह के पल देखने के लिए सभी उतारू थे। विवाह के उपरांत आरती फिर प्रसादी का वितरण किया गया इसके अलावा शहर के सभी मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रम सुबह से लेकर देर रात तक हुए महाशिवरात्रि पर घरों में भी व्रत रखकर विशेष मुहूर्त में सुबह और शाम को पूजन की वहीं नगर से 12 किलोमीटर दूरी पर स्थित बाबा विश्वनाथ स्वामी के धाम देवपुर में भी भगवान भोलेनाथ का अभिषेक पूजा अर्चना करने के लिए श्रद्धालुओं का जन सेलाबा दिखाई दे रहा था। यहां पर एक दिन पहले से ही भक्तों का पहुंचने का सिलसिला प्रारंभ हो गया था प्रातः काल से ही पूजन का दौर प्रारंभ हो गया था भीड़ को देखते हुए मंदिर समिति और प्रशासन के द्वारा महिला-पुरुषों को अलग-अलग लाइनों में दर्शन की व्यवस्था की गई थी दूसरे रास्ते से बाहर निकलने कार्य किया गया। इससे पहले श्रद्धालुओं पवित्र कुंड के जल से स्नान करने के बाद भगवान विश्वनाथ स्वामी जी जलाभिषेक किया पूरा मंदिर परिसर बम भोले के जयकारों से गूंज रहा था। भीड़ ज्यादा होने के कारण घंटो लाइन में लगने के उपरांत ही दर्शन हो पा रहे थे। महाशिवरात्रि पर मेला भी लगाया हुआ था जिसमें बच्चों के खाने पीने से लेकर महिलाओं के सज्जा सजा की दुकानें लगी हुई थी जहां पर खरीदारी करने के लिए भीड़ लगी हुई थी। इसी तरह ग्रामीण अंचलों पर कार्यक्रम हुए इसके अलावा शिव जी को भांग का भोग लगाकर प्रसादी का वितरण किया गया वहीं मंदिर समिति के सदस्य अर्जुन तोमर ने बताया कि देवपुर धाम हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे मंदिर समिति और प्रशासन के द्वारा अच्छी व्यवस्था की गई थी।

निजी कॉलोनाइजरों को पहुंचाया फायदा

सिंचाई विभाग की भूमि में ठेकेदार ने लगा दिए बिजली के पोल, एसडीएम ने सिंचाई विभाग से मांगी रिपोर्ट

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

एक तरफ प्रशासन के द्वारा अवैध रूप से काम करने वालों पर कार्रवाई करने की बात की जाती है। वही विकासखंड में खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। सबसे बड़ी बात तो है गरीबों के लिए नियम बताने वाले बिजली विभाग के अधिकारी ने भी सिंचाई विभाग की जगह की अनुमति लिए बगैर निजी कॉलोनी में लाइन पहुंचाने को पोल लगवा दिए दूसरी ओर सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने भी इस तरह कोई ध्यान नहीं दिया । या फिर इनकी मिलीभगत से ही बिजली कंपनी के निजी ठेकेदार के द्वारा इसको हमको अंजाम दिया जा रहा है लगभग 5 किलोमीटर तक एक निजी कॉलोनी मे बिजली देने के लिए पोल लगाने के साथ ट्रांसफार्मर रखने का काम भी तेजी से हो रहा है। खबर के बाद एसडीएम हर्षल चौधरी इंस्टाग्राम के अधिकारियों को पत्र जारी करके रिपोर्ट देने के निर्देश दिए वही सिंचाई विभाग के एसडीओ के द्वारा भी बगैर अनुमति के उनकी जगह में बिजली के पोल लगाने की जांच के बाद कार्रवाई की बात की दूसरी ओर विगत 20 दिनों से निजी ठेकेदार के द्वारा सिंचाई विभाग से अनुमति लिए अगर उनकी भूमि में पोल लगाकर निजी कॉलोनी को फायदा पहुंचाने के लिए नियम विरूद्ध कार्य किया जा रहा है। इस काम में कई बिजली विभाग के कई अधिकारी कर्मचारी इनका सहयोग कर रहे हैं इसके बदले में इनकी बड़े स्तर पर सेवा हुई है ऐसी इन दिनों चल रही है।

इनका कहना है

बिजली के पोल लगाने के लिए हमसे कोई अनुमति नहीं ली मैं जांच करवाता हूं उसके बाद कार्रवाई करेंगे।
-कमलेश कुमार सिंचाई विभाग एसडीओ

सिंचाई विभाग तथा बिजली विभाग को पत्र जारी करके जवाब मांगा है ।
-हर्षल चौधरी एसडीएम

जिले के अनुसूचित जाति एवं जनजातीय वर्ग के चयनित प्रतिभावान दो-दो छात्र-छात्राओं को किया गया चयनित

सिरोंज। विदिशा अनुसूचित जाति जनजातीय विभाग द्वारा कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षा में अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के जिले में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर शासकीय विद्यालयों में अध्यनरत प्रतिभावान में अनुसूचित जाति वर्ग की एक छात्रा एवं एक छात्र तथा जनजाति वर्ग की एक छात्रा एवं एक छात्र को नेतृत्व गुण विकसित करने, मनोबल बढ़ाने एवं उनको आधुनिक सोच विकसित करने तथा उन्हें देश के विकास से परिचित कराने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय नेतृत्व विकास शिविर, शैक्षणिक भारत दर्शन भ्रमण हेतु 25 फरवरी से 3 मार्च 2025 तक भोपाल से नई दिल्ली एवं आगरा के लिए रवाना किया गया है। आदिम जाति कल्याण विभाग की जिला संयोजक श्रीमती पारुल जैन ने बताया कि शैक्षणिक भारत दर्शन भ्रमण के लिए 25 फरवरी को विदिशा जिले के अनुसूचित जाति और जनजातीय वर्ग के दो छात्र और दो छात्राएं रवाना हुए हैं जिसमें अनुसूचित जाति वर्ग के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्यनरत प्राची सूर्यवंशी और प्रशांत अहिरवार तथा जनजातीय वर्ग के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उदयपुर में अध्यनरत संध्या सहरिया और शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लटेरी के राजेश भील शैक्षणिक भारत दर्शन भ्रमण के लिए रवाना हुए हैं।

वनभूमि क्षेत्रों में निर्माण कार्यों के लिए भूमि आवंटन प्रक्रिया से अवगत हुए

कलेक्टर की पहल पर अंतर्विभागीय समस्याओं का समाधान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा अंतर्विभागीय समस्यायों के समाधान हेतु विशेष पहल की जा रही है। खासकर वन भूमि क्षेत्रों में अनुमतियों की प्राप्ति में विलंबता ना हो इसके लिए वन मंडलाधिकारी को बैठक में आमंत्रित किया गया था।

कलेक्टर श्री सिंह की पहल से सभी विभाग अभिभूत हुए हैं, निर्माण विभागों के अधिकारियों को भूमि संबंधी दिक्कतें के समाधान हेतु निर्धारित मापदंडों पर वन मंडलाधिकारी श्री हेमंत कुमार यादव ने गहन प्रकाश ही नहीं डाला वरन अधिकारियों की ततसंबंधी जिज्ञासाओं का समाधान किया है।

वनमंडलाधिकारी हेमंत कुमार यादव ने वन संरक्षण अधिनियम 1980 एवं वन अधिकार अधिनियम 2006 के नियमो से अवगत कराते हुए बताया कि जिले के निर्माण विभाग जैसे कि पीडब्ल्यूडी, एमपीआरडीसी, आरईएस, इत्यादि विभागों को वन भूमि पर वन विभाग की अनुमति के कारण जिले के विकास कार्यों में देरी ना हो इसलिए आपसी सामंजस्य बनाते हुए स्वयं से समन्वय स्थापित करने की पहल की गई है।

वन मंडलाधिकारी श्री यादव ने कहा कि विधिवत अनुमति प्राप्ति के बाद ही निर्माण कार्य शुरू हो विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अनुमतियां जारी करने से पहले गूगल के माध्यम से स्थलों का सत्यापन किया जाता है। पूर्व गूगल मैप और वर्तमान दोनों में एकरुपता नहीं पाए जाने पर अनुमतियां प्राप्ति में दिक्कतें हो सकती हैं। अतः इस प्रकार की स्थिति जिले में निर्मित ना हो का हम सब ध्यान रखें। उन्होंने जिला स्तर पर वन मंडलाधिकारी को भूमि आवंटन के अधिकारों को भी सांझा किया है।

कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में संपन्न हुई इस बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद थे।

शैक्षणिक भारत दर्शन भ्रमण के लिए जिले के दो छात्र और दो छात्राएं रवाना हुए।

कलेक्टर-एसपी ने रायसेन दुर्ग पहुंचकर मेले की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

रायसेन। महाशिवरात्रि पर्व पर रायसेन दुर्ग पर स्थित सोमेश्वर धाम शिव मंदिर प्रांगण में मेले का आयोजन किया गया। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा सोमेश्वर धाम पहुंचकर भगवान शिव की पूजा अर्चना की गई। शाम तक सोमेश्वर धाम पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी है। कलेक्टर श्री अरूण विश्वकर्मा तथा पुलिस अधीक्षक श्री पंकज पाण्डे द्वारा भी दुर्ग पर पहुंचकर मेला आयोजन तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने शिव मंदिर पहुंचकर पूजन भी किया। उल्लेखनीय है कि रायसेन अजेय दुर्ग पर स्थित प्रसिद्ध और प्राचीन सोमेश्वर धाम शिव मंदिर पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर मेला आयोजित किया गया। अपने अनूठे वैभवशाली एवं सामरिक दृष्टि से अजेय रहे ऐतिहासिक रायसेन दुर्ग में स्थित सोमेश्वर धाम से प्रसिद्ध इस प्राचीन शिव मंदिर के प्रति लोगों की अटूट आस्था है। लगभग 12वीं सदी में बने इस प्राचीन मंदिर के दरवाजे (पट) साल में केवल एक बार महाशिवरात्रि पर्व पर ही खुलते हैं।

चिन्हित उपार्जन केन्द्रों का अफसरों ने संयुक्त निरीक्षण किया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने कहा कि जिले के सभी उपार्जन केन्द्रों पर बुनियादी सुविधाओं की पूर्ति में किसी भी प्रकार की कोताही ना हो इसके लिए संयुक्त भ्रमण कर विभागीय दायित्वों की पूर्ति सतत् बनी रहे। उपार्जन स्थलों के आवागमन सहित अन्य बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में आज बुधवार को जिला आपूर्ति अधिकारी श्री अनिल कुमार तंतुवाय और मध्यप्रदेश वेयर हाउसिंग बोर्ड के जिला मैनेजर श्री नरेन्द्र सिंह ने संयुक्त रूप से उपार्जन केन्द्रों भ्रमण कर व्यवस्थाओं की पूर्ति संबंधी कार्यो का जायजा लिया है। द्वय अधिकारियों ने उपार्जन केंद्र बनाए जाने हेतु शमशाबाद और विदिशा ब्रांच के 16 गोदामों का संयुक्त निरीक्षण किया है।

मेट्रो एंकर | एसओयूएल लीडरशिप कॉनक्लेव 2025 के लिए पूरे भारत से 200 युवक प्रतिनिधियों का किया गया था चयन

पीएम मोदी के नेतृत्व में कॉनक्लेव : लटेरी के अभिषेक सुमन शामिल हुए

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा विकसित भारत यंग लीडर्स संवाद में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से संवाद करने वाले विदिशा जिले के लटेरी के अभिषेक सुमन को प्रतिष्ठित एसओयूएल लीडरशिप कॉन्क्लेव 2025 में शामिल होने के लिए चुना गया है।

इस कार्यक्रम के लिए पूरे भारत से केवल 200 युवक प्रतिनिधियों का चयन किया गया था। 21-22 फरवरी को भारत मंडपम नई दिल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया था। (एसओयूएल) स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप का उद्देश्य युवा नेतृत्व को प्रोत्साहित करना और राष्ट्र निर्माण में उनकी सशक्त भूमिका बनाना है।

जिला युवा अधिकारी श्रीमती निक्की राठौर ने बताया कि इस दो दिवसीय कॉन्क्लेव में विदिशा जिले के लटेरी तहसील के श्री अभिषेक सुमन को देश-विदेश के प्रतिष्ठित लोगों से संवाद करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, भूपेंद्र यादव, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश श्री डी वाई चंद्रचूड़, आरबीआई गवर्नर श्री शक्तिकांत दास, पद्मश्री दीपा मलिक, उद्योगपति सुनील भारती मित्तल, आध्यात्मिक गुरु सिस्टर शिवानी और फिल्म अभिनेत्री सुष्मिता सेन जैसी प्रमुख हस्तियों ने अपने विचार सांझा किये। अभिषेक को जो नेहरू युवक केंद्र संगठन विदिशा के सदस्य हैं उन्होंने इस उपलब्धि पर कहा कि यह उनके लिए गर्व का क्षण है कि उन्हें भारत के भविष्य के निर्माण पर विचार करने और देश के नए शीर्ष नेताओं से सीखने का अवसर मिला। यह उनके नेतृत्व विकास में मील का पत्थर साबित होगा। इस कार्यक्रम के लिए श्री अभिषेक को नेहरू युवक केंद्र संगठन विदिशा के पदाधिकारियों ने भी काफी प्रोत्साहित किया। इसके लिए उन्होंने धन्यवाद ज्ञापित किया है। एसओयूएल लीडरशिप कॉनक्लेव 2025 में भागीदारी के साथ श्री अभिषेक सुमन ने युवा नेतृत्व की एक नई मिसाल कायम की है जो भविष्य में उनकी प्रेरणादायक यात्रा का मार्ग प्रशस्त करेगा।

अक्षय तृतीया पर इमलानी में होगा, लक्ष्मी नारायण यज्ञ किया झंडारोहण

सिरोंज। बुधवार को ग्राम इमलानी में अक्षय तृतीया पर होने वाले लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के लिए विधि-विधान से पूजा अर्चना के उपरांत यज्ञ के लिए झंडा स्थापित किया यज्ञ आचार्य के साथ ग्रामीण जन मौजूद। यहां पर अक्षय तृतीया पर क्षेत्र प्रदेश एवं देश की उन्नति के लिए भगवान लक्ष्मी नारायण महायज्ञ संपन्न होगा यज्ञ में बड़ी संख्या में वैदिया भी बनाई जाएगी उसकी तैयारी को लेकर भी चर्चा आयोजन को लेकर अलग-अलग जिम्मेदारियां भी सदस्यों को दी। यजमान गजेंद्र राजपूत ने बताया कि यज्ञ के लिए पूजन के बाद झंडा स्थापित किया इस दौरान यज्ञ आचार्य प उपस्थित थे इसके कथा का आयोजन भी होगा।

दिग्गज खिलाड़ी फिट रहने के लिए करते हैं त्याग, कड़ी मेहनत

नई दिल्ली . एजेंसी

पुरानी कहावत है कि स्वस्थ रहने के लिए व्यक्ति को दिन में तीन बार भोजन करना चाहिए, लेकिन यह कहावत क्रिकेटरों पर फिट नहीं बैठती। खुद को फिट रखने के लिए क्रिकेटरों का अपना अलग मंत्रा है। कोई दिन में सिर्फ एक बार खाना खाता है तो कोई सालों से लो-कैलोरी खा रहा है।

जिम को लेकर जूनूनी : न्यूजीलैंड के स्पिन ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स के लिए फिटनेस उनकी जिंदगी का अहम हिस्सा है। उन्हें खासतौर पर जिम जाना बहुत पसंद है। वह खुद को फिट रखने के लिए रोजाना करीब 800 से ज्यादा पुशअप लगाते हैं। वह पावर हिटर हैं और ज्यादा ताकत हासिल करने के लिए भारी वजन उठाते हैं। फिलिप्स के सिक्स पैक एब्स भी हैं और जिम में एक्सरसाइज करते हुए उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल रहती हैं।

फिट रहने के लिए विराट कोहली बने शुद्ध शाकाहारी

स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट पहले नॉनवेज खाने के बेहद शौकीन थे, लेकिन डॉक्टर की सलाह और खुद को फिट बनाए रखने के लिए कोहली ने साल 2018 में शुद्ध शाकाहारी बनने का फैसला किया। वह वीगन भी हैं और दूध से बनी चीजें नहीं खाते और रोज जिम में कड़ी मेहनत करना नहीं भूलते हैं।

नो ब्रेकफास्ट, नो लंच सिर्फ डिनर: भारतीय पेसर शमी 2015 से दिन में एक बार भोजन करने को प्राथमिकता देते हैं। वह ना तो ब्रेकफास्ट करते हैं और ना लंच, वह सिर्फ डिनर करते है, ताकि उनके शरीर को पर्याप्त ऊर्जा मिल सके। वह मिठाइयों और जंक फूड से दूर रहते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी : दोनों टीमें टूर्नामेंट से बाहर, पहली जीत की तलाश

रावलपिंडी में आज पाकिस्तान और बांग्लादेश का मुकाबला

रावलपिंडी. एजेंसी

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का नौवां मैच आज पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच खेला जाएगा। मैच रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगा। दोनों टीमें टूर्नामेंट से पहले ही बाहर हो चुकी हैं। यह दोनों का आखिरी ग्रुप मुकाबला है। पाकिस्तान और बांग्लादेश को पहली जीत की तलाश है। पाकिस्तान को पहले मैच में न्यूजीलैंड और दूसरे में भारत ने हराया था। वहीं, बांग्लादेश को पहले मुकाबले में भारत और दूसरे में न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा।

बांग्लादेश पर पाकिस्तान भारी दोनों टीमें चैंपियंस ट्रॉफी इतिहास में पहली बार आमने-सामने होंगी। दोनों ओवरऑल वनडे में 39 बार भिड़ीं। इनमें 34 मुकाबले पाक ने और 5 बांग्लादेश ने जीते। दोनों का आखिरी बार सामना वनडे वर्ल्ड कप 2023 के दौरान हुआ था। इसमें पाकिस्तान को 7 विकेट से जीत मिली थी।

खुशदिल पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी खुशदिल शाह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2 मैचों में 107 रन बनाए हैं। अबरार अहमद ने सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। उनके नाम 2 मैचों में 2 विकेट हैं। जाकिर ने बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए जाकिर अली इस चैंपियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने पहले मैच में भारत के खिलाफ 68 और दूसरे में न्यूजीलैंड के खिलाफ 45 रन बनाए थे। दूसरे नंबर पर

तौहीद हृदोय हैं। हृदोय ने पहले मैच में भारत के खिलाफ शतक लगाया था। हालांकि, पिछले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ 7 रन पर आउट हो गए थे। रिशाद हुसैन टीम के टॉप विकेट टेकर हैं। रिशाद ने 2 मैच में 3 विकेट लिए हैं।

पिच रिपोर्ट रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए मददगार रही है। यहां अब तक 27 वनडे खेले गए। पहले बैटिंग करने वाली टीम ने 12 और पहले बॉलिंग करने वाली टीम ने 14 मैच जीते। यहां का हाईएस्ट स्कोर 337/3 है, जो पाकिस्तान ने 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ बनाया था। वेदर रिपोर्ट पाकिस्तान-बांग्लादेश मुकाबले में गुरुवार को बारिश खलल डाल सकती है। इस दिन यहां बारिश के 75 फीसदी चांस हैं। पूरे दिन बादल छाए रहेंगे और गर्मी बिल्कुल नहीं होगी। दोपहर में कभी-कभी बारिश हो सकती है।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11

पाकिस्तान: मोहम्मद रिजवान (कप्तान और विकेटकीपर), इमाम उल हक, सऊद शकील, बाबर आजम, सलमान आगा, तैय्यब ताहिर, खुशदिल शाह, नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी, हारिस रऊफ और अबरार अहमद।

बांग्लादेश : नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), तंजिद हसन, तौहीद हृदोय, मुश्फिकुर रहीम, महमुदुल्लाह, जाकिर अली, मेहदी हसन मिराज, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, नाहिद राणा और मुस्तफिजुर रहमान।

इंटर मियामी ने न्यूयॉर्क सिटी के खिलाफ इंजुरी टाइम में दागा बराबरी का गोल

फुटबल: मैच 2-2 से ड्रॉ, मेसी व सेगोविया ने टीम को हार से बचाया

न्यूयार्क. एजेंसी

स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी और टेलास्को सेगोविया के दम पर इंटर मियामी ने न्यूयॉर्क सिटी के साथ यहां एमएलएस लीग 2025 के पहले मैच में 2-2 से ड्रॉ खेला। न्यूयॉर्क सिटी ने हालांकि इंजुरी टाइम तक 2-1 से बढ़त हासिल कर रखी थी लेकिन खेल खत्म होने से कुछ सेकेंड पहले मेसी ने जलवा दिखाया। उन्होंने विपक्षी टीम के डिफेंस में सेंध लगाते हुए गेंद सेगोविया को दी, जिन्होंने गोल करके टीम को हार से बचा लिया। मेसी ने भले ही गोल नहीं किया लेकिन इसके बावजूद इतिहास रच दिया। वह एमएलएस इतिहास में सबसे तेज 40 गोल अस्टिट करने वाले खिलाड़ी बने।

इन्होंने दागे गोल: इंटर मियामी के टॉमस एविलास ने पांचवें मिनट में ही गोल कर दिया था, पर मित्जा

(26वें) और अलांसो मार्टिनेज (55वें) के गोल से न्यूयॉर्क सिटी ने 2-1 से बढ़त बना ली थी।

महिला क्रिकेट: डब्ल्यूपीएल में तीसरी जीत दर्ज की

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर दिल्ली ने गुजरात को 6 विकेट से हराया

बेंगलूरु. एजेंसी

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से दिल्ली कैपिटल्स टीम ने महिला प्रीमियल लीग (डब्ल्यूपीएल) टी-20 मुकाबले में गुजरात जायंट्स को छह विकेट से करारी शिकस्त दी। दिल्ली की पांच मैचों में यह तीसरी जीत है जबकि गुजरात की चार मैचों में यह तीसरी हार है। पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात की टीम नौ विकेट पर 127 रन ही बना सकी। दिल्ली ने 15.1 ओवर में चार विकेट पर 131 रन बनाकर जीत दर्ज की। जेस जॉनसन 32 गेंद में 61 रन बनाकर नाबाद रहीं। शेफाली वर्मा ने 44 रन बनाए।

मारिजाने की घातक गेंदबाजी : दिल्ली की पेसर मारिजाने कैप ने चार ओवर में 17 रन देकर दो जबकि शिखा पांडे ने 3 18 रन देकर दो विकेट चटकाए। गुजरात की टीम ने 41 रन तक पांच विकेट गंवा दिए थे।

मेट्रो बाजार

ईपीएफओ में न्यूनतम पेंशन, बेसिक सैलरी लिमिट बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली. एजेंसी

केंद्र सामाजिक सुरक्षा कवरेज बढ़ाने को कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) में बदलाव करने की तैयारी में है। सरकार ईपीएफ में न्यूनतम पेंशन को मौजूदा 1,000 से बढ़ा सकती है। साथ ही रिटायरमेंट के समय पेंशन फंड में से आंशिक विड्रॉल की फैसिलिटी भी दिए जाने का प्रस्ताव है। सरकार ईपीएफओ

को बैंकों के तर्ज पर खड़ा चाहती है। इसके लिए नियमों में बड़े बदलाव किए जाने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार चाहती है कि शादियों, मेडिकल ट्रीटमेंट, बच्चों की शिक्षा के लिए आसानी से पैसे विड्रॉल की सुविधा ईपीएफओ पोर्टल के माध्यम से ही इजाजत दी जाए। श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने अधिकारियों को रिटायरमेंट के समय विड्रॉल के नियमों को लचीला बनाने का सुझाव दिया है, जिससे सब्सक्राइबर्स बेहतर तरीके से फाइनेंशियल प्लानिंग कर सकें और पेंशन के तौर पर सालाना मिलने वाले रकम में बदलाव कर सकें। कंस्ट्रक्शन वर्कर्स के नाम पर जो फंड राज्यों की ओर से वसूला जाता वह ऐसे ही पड़ा रह जाता है। मंत्रालय उस फंड को टैप करने पर विचार कर रहा है।

रिपोर्ट: तीन गुना बढ़ने का अनुमान, डिजिटल लेनदेन यूपीआई की हिस्सेदारी रेकॉर्ड स्तर पर

नईदिल्ली, एजेंसी

2021 से 2024 तक यूपीआई लेनदेन में 4 गुना की बढ़ोतरी हुई है और यह सालाना आधार पर बढ़कर 172 अरब लेनदेन तक पहुंच गया है। डिजिटल लेनदेन में यूपीआई की हिस्सेदारी सबसे अधिक है और यह कार्ड-आधारित तथा वॉलेट लेनदेन से कहीं आगे निकल गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि 3 करोड़ से अधिक मर्चेंट यूपीआई से जुड़े हुए हैं। मर्चेंट-टू-कस्टमर सेगमेंट 67 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर के साथ पीयर-टू-पीयर (पी2पी) लेनदेन की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ रहा है। यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआइ) की देश में वित्तीय समावेशन को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है। वित्त वर्ष 24 में भारत में हुए पांच डिजिटल लेनदेन में से चार यूपीआइ के माध्यम से हुए। देश के सभी डिजिटल लेनदेन में यूपीआइ की हिस्सेदारी बढ़कर 84 प्रतिशत हो गई है। यह जानकारी आरबीआइ द्वारा एक रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में बताया गया कि समीक्षा अवधि में अन्य पेमेंट सिस्टम्स जैसे आरटीजीएस, एनईएफटी, आइएमपीएस, क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड की हिस्सेदारी 66 प्रतिशत से गिरकर 17 प्रतिशत रह गई है। यूपीआई प्रति माह 16 अरब लेनदेन हैंडल करता है और 2030 के अंत तक इसके 3 गुना बढ़ने का अनुमान है। आने वाले सालों में ये ग्रोथ जारी रहेगी। रिपोर्ट के अनुसार देश के डिजिटल भुगतान में यूपीआई की हिस्सेदारी 2019 में 34 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 84 प्रतिशत से अधिक हो गई है। व्यापक स्तर पर यूपीआई लेनदेन की वॉल्यूम 2018 में 375 करोड़ से बढ़कर 2024 में 17,221 करोड़ हो गई, जबकि लेनदेन का कुल मूल्य 2018 में 5.86 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2024 में 246.83 लाख करोड़ रुपए हो गया। यूपीआई पी2एम लेनदेन की वॉल्यूम, यूपीआई पी2पी लेनदेन की वॉल्यूम से अधिक हो गई है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

इंडस्ट्री में बाहरी लोगों के साथ होता है भेदभाव, राधिका मदान ने कलाकारों को लेकर कही बात

अभिनेत्री राधिका मदान को कई बॉलीवुड फिल्मों में देखा जा चुका है। राधिका ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में काम करने को लेकर अपनी राय साझा की है। उन्होंने कहा कि फिल्मों को लेकर बॉलीवुड में भाई भतीजावाद फैला हुआ है, जिनके माता पिता पहले से इंडस्ट्री में हैं, उनको अपनी फिल्मों को करने के लिए और चीजों को समझने के लिए कई फिल्में मिल जाती हैं। वहीं, इंडस्ट्री के बाहर के लोगों को एक गलती पर ही बाहर निकाल दिया जाता है। फिल्म अंग्रेजी मीडियम, सफीरा, पटाखा जैसी फिल्मों के कारण राधिका मदान को जाना जाता है। उनको सीखने के लिए 2-3 फिल्में और मिल जाती हैं कि अभी सीख जाएगा, अरे देखो सुधार है। हर दूसरी इंडस्ट्री की तरह यह यहां भी होता है। हालांकि, एक 'स्टार किड' को 2-3 फिल्मों में काम करने का फायदा होता है, भले ही उन्होंने इंडस्ट्री के बाहर के लोगों के साथ होता है अलग व्यवहार जो लोग पहले से इंडस्ट्री से संबंध नहीं रखते हैं। उनके साथ दूसरे तरह का व्यवहार होता है। इंडस्ट्री के बाहर से होने को लेकर राधिका मदान ने कहा, कि हम जैसे लोग जो इंडस्ट्री के बाहर से आते हैं, उनके साथ अलग व्यवहार होता है।

खूबसूरती की मिसाल रेखा, सावन भादो से की थी अपने करियर की शुरुआत

बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री रेखा के दर्शक क्या नेता और अभिनेता भी दीवाने हैं। रेखा का अभिनय, डांस और अदाएं हर किसी को पसंद है। यही वजह है कि रेखा आज भी सभी की पसंदीदा अभिनेत्री हैं। रेखा का असली नाम भानुरेखा गणेशन है। आज रेखा का 70वां जन्मदिन है। आइए जानते हैं रेखा के जन्मदिन पर उनसे जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें। रेखा का जन्म 10 अक्टूबर 1954 को मद्रास में हुआ। रेखा एक भारतीय अभिनेत्री हैं, जो मुख्य रूप से हिंदी फिल्मों में शानदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रेखा ने 180 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है, जिसके लिए उन्हें कई पुरस्कारों से भी नवाजा जा चुका है। रेखा ने कई फिल्मों में मजबूत और जटिल महिला किरदार निभाए हैं। रेखा ने अपने करियर की शुरुआत तेलुगु फिल्म इंति गुट्ट और रंगुला रत्नम में एक बाल कलाकार के रूप में की थी।

• अमिताब ने तंगी में ठुकराया था फ्री का चेक

बिग बी के बुरे दिन पर रजनीकांत बोले पहचान छुपाकर यश चोपड़ा के घर गए

अमिताभ बच्चन और रजनीकांत तमिल एक्शन थ्रिलर 'वेट्टैयन' में 33 साल के बाद स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। वेट्टैयन के ऑडियो लॉन्च में रजनीकांत ने अमिताभ बच्चन की तारीफ की। उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा भी था जब अमिताभ करोड़ों के कर्ज में डूबे थे। जिसे चुकाने के लिए वो लगातार 18 घंटे काम करते थे। यहां तक कि उन्होंने अपना घर भी बेच दिया था। रजनीकांत ने कहा, अमिताभ बच्चन ने अपनी खुद की कंपनी अमिताभ बच्चन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एबीसीएल) लॉन्च की थी। लेकिन दुर्भाग्य से एबीसीएल विफल हो गई और एक्टर को काफी नुकसान हो गया। आलम यह था कि वो कर्ज में डूब गए थे। एक दिन में लगातार 18 घंटे तक काम करते थे। एक दिन अमिताभ बच्चन मंकी कैप पहन यश चोपड़ा के घर गए थे। बिग बी ने यश से काम मांगा तो उन्होंने तुरंत एक चेक लाकर उन्हें दिया, लेकिन अमितजी ने यह कहकर मना कर दिया कि वह इसे तभी लेंगे जब आप उन्हें कोई काम देंगे। इस तरह उन्हें 'मोहब्बतें' फिल्म मिली थीं। इसके बाद जल्द ही उन्हें केबीसी का भी ऑफिर मिल गया था। 'एक-एक करके अपना सारा कर्ज चुका दिया।

• बेटी को कुछ फिल्मों के सॉन्ग दिखाए

आलिया बोलीं- राहा बार-बार 'राधा तेरी चुनरी-बदतमीज दिल..' सुनती है

आलिया भट्ट इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म जिगरा के प्रमोशन में जुटी हुई हैं। इस दौरान कई बार आलिया अपने प्रेग्नेंसी और पेरेंटिंग लाइफ के बारे में भी बात करती नजर आती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने और रणबीर ने राहा को अपनी कुछ फिल्मों के सॉन्ग दिखाए हैं, जिसे राहा दिनभर बार-बार सुनती रहती है। राहा ने सबसे पहला गाना केसरिया सुना था- आलिया भट्ट दरअसल, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आलिया भट्ट से पूछा गया कि आप राहा को सबसे पहले अपना कौन सा सॉन्ग सुनाना चाहती हैं। इस पर आलिया ने कहा, 'अब राहा लगभग 2 साल की हो गई है। उसने सबसे पहला सॉन्ग मेरी और रणबीर की फिल्म ब्रह्मास्त्र का केसरिया सुना था।' राधा तेरी चुनरी गाने को बार-बार सुन रही है राहा आलिया ने आगे कहा, 'लेकिन हाल ही में राहा ने मेरी पहली फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर का राधा तेरी चुनरी और रणबीर की फिल्म ये जवानी है दीवानी का गाना बदतमीज दिल सुना है। जिसे वो दिनभर बस बेक टू बेक सुने ही जा रही है। उसे लग रहा होगा कि इन गानों पर नाचना नॉर्मल है।' आलिया-रणबीर ने 2022 में की थी शादी आलिया और रणबीर कपूर ने सालों तक डेट करने के बाद 14 अप्रैल, 2022 को शादी कर ली थी। शादी के दो महीने बाद ही आलिया ने मां बनने की अनाउंसमेंट की थी। फिर इसी साल नवंबर में आलिया ने बेटी राहा को जन्म दिया था। कपल ने पहली बार क्रिसमस के मौके पर पैपराजी के सामने बेटी राहा का चेहरा दिखाया था।

मां ने जगाया लेकिन नहीं उठा, हमीदिया अस्पताल में डॉक्टर ने किया मृत घोषित

साइलेंट अटैक ने ली जान, रात को खाना खाकर सोया बैंककर्मी सुबह मृत मिला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरागढ़ थाना क्षेत्र शिखर होटल के पीछे रहने वाले एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह रात में खाना खाकर सोया था। सुबह मां ने जगाया तो उठा नहीं। भाई हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां परीक्षण के बाद डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर का कहना है कि युवक की मौत साइलेंट अटैक से हुई है जबकि पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारण सामने आ सकेंगे। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया था।

पुलिस के मुताबिक शिखर होटल के

पीछे परिवार होम बैरागढ़ निवासी अमित मालवीय (28) पंजाब नेशनल बैंक में पीयून था। मंगलवार रात वह बाहर से घर आया और फिर खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया। सुबह करीब साड़े 9 बजे मां ने उसे जगाया तो उठा नहीं। तब बड़े भाई सुनील मालवीय ने उसे जगाने का प्रयास किया। अनहोनी की आशंका के चलते बड़ा भाई उसे हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचा। वहां डॉक्टों ने कहा कि बहुत पहले उसकी मौत हो चुकी है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थीं। पीएम के बाद शव को परिजनों के हवाले कर दिया था।

घर में शादी की तैयारियां

बड़े भाई सुनील का कहना है कि कुछ दिनों बाद अमित की शादी होने वाली थी। घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं। इस बीच दुखद घटना हो गई। मां उसे जगाने गई थी। आज अमित को महाशिवरात्रि पर्व के लिए भगवान शंकर की प्रतिमा लेकर आना था।

स्कार्पियो ने बाइक सवार मां-बेटों को मारी टक्कर महिला की मौत, चालक खुद ले गया अस्पताल

भोपाल। सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित बरखेड़ी रोड वाइन शॉप के पास मुख्य सड़क पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियों ने बाइक सवार मां बेटों को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर पीछे बैठी मां को गंभीर चोट आई थी। स्कॉर्पियो का ड्राइवर खुद मां बेटों को लेकर भानपुर स्थित निजी अस्पताल पहुंचा, वहां कुछ देर बाद डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाली स्कॉर्पियो जब्त कर आरोपी चालक पर कार्रवाई कर रही है। थाना प्रभारी रामबाबू चौधरी ने बताया कि मीराबाई अहिरवार पति सुंदरलाल अहिरवार (45) छोला मंडी गेट, करोंद में रहती थीं। मंगलवार दोपहर वह अपने बेटे अजय और हर्ष अहिरवार के साथ बाइक से रायसेन जाने के लिए निकली थी। मां-बेटे बरखेड़ी रोड वाइन शॉप के पास मुख्य सड़क पर करीब चार बजे के आसपास पहुंचे ही थे कि पीछे से आ रही स्कॉर्पियो के चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी बाइक को टक्कर मार दी। मीराबाई बाइक पर पीछे बैठी थी और स्कॉर्पियो की टक्कर भी पीछे से लगी थी। लिहाजा उन्हें गंभीर चोट थी। स्कॉर्पियो सवार ने गाड़ी रोककर मां बेटों को भानपुर स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। वहां कुछ देर चले इलाज के बाद मीराबाई की मौत हो गई। अजय और हर्ष को चोट कम होने के कारण के उनकी स्थित खतरे से बाहर बताई जा रही है।

टक्कर से डाककर्मी के साले की मौत, पत्नी-बेटी घायल

भोपाल। गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित चर्च रोड बरखेड़ा में तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने एक्टिवा को टक्कर मार दी। हादसे के समय एक्टिवा पर युवक उसकी बहन और भांजी थी। तीनों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल ले जाया गया, वहां इलाज के दौरान मंगलवार शाम युवक की मौत हो गई, जबकि बहन की हालत गंभीर है और उसका इलाज चल रहा है। भांजी को चोट कम होने के कारण उसे छुट्टी दे दी गई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस टक्कर मारने वाले ट्रैक्टर की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार गौरव गुप्ता (32) फ्लेट नंबर 3404 नक्षत्र इनक्लेव बीडीए रोड अवधपुरी में रहते हैं और डाक विभाग में नौकरी करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि 24 फरवरी को वह एमपी नगर स्थित अपने ऑफिस गए हुए थे। दोपहर करीब ढाई बजे उनके साले सचिन गुप्ता के मोबाइल नंबर से कॉल आया। अज्ञात कॉलर ने बताया कि आपके रिश्तेदार का एक्सीडेंट हो गया है और उन्हें गंभीर चोट है। वे चर्च रोड बरखेड़ा पहुंचे तो उनका 27 साल का साला सचिन गुप्ता, उनकी पत्नी रूचि गुप्ता और बच्ची सानवी गुप्ता (गौरी) घायल पड़े हुए थे। आसपास भीड़ एकत्रित थी। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि उनकी एक्टिवा को तेज रफ्तार ट्रैक्टर टक्कर मारकर फरार हुआ है। वे तीनों को एंबुलेंस की मदद से एम्स लेकर पहुंचे, वहां इलाज के दौरान सचिन गुप्ता मंगलवार शाम मौत हो गई। रुचि गुप्ता को गंभीर चोट होने के कारण उनका इलाज चल रहा है। बच्ची सानवी को चोट कम थी और उसे इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। गौरव ने बताया कि उनका साल सचिन गुप्ता उत्तर प्रदेश में रहता है और पड़ाई करता है। कुछ दिन पहले ही वह मेहमानी पर आया था।

किसान ने पेड़ पर फांसी लगाकर की आत्महत्या

सूखी सेवनिया थाना के इमलिया गांव का मामला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र स्थित गांव इमलिया में एक किसान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव खेत पर पेड़ से फांसी के फंदे पर लटका मिला। सुसाइड नोट नहीं मिलने के कारण आत्महत्या के कारण का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार महेश मीना पिता भैयालाल मीना (48) ग्राम इमलिया थाना सूखी सेवनिया में रहते थे और खेती किसानी करते थे। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे वह खेत पर जाने का कहकर निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। दोपहर के समय परिजन उन्हें देखने के लिए खेत पर पहुंचे तो महेश एक पेड़ पर फांसी के फंदे से लटके मिले। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया। तलाशी लेने पर मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। प्रारंभिक पूछताछ में परिजन ने भी ऐसी कोई जानकारी नहीं दी, जिससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा हो सके। बताया जाता है कि करीब एक महीने पहले उन्होंने अपने बेटे की शादी भी की थी।

एमपीपीएससी की छात्रा से शादी का झांसा देकर किया 1 साल शोषण

भोपाल । एसपीपीएससी की तैयारी कर रही छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता के साथ शादी का वादा कर आरोपी 1 साल तक दुष्कर्म करता रहा। जब आरोपी शादी के वादे से मुकर गया, तो पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ हबीबगंज थाने में एफआईआर दर्ज करवाई। पुलिस के अनुसार पीड़िता की आरोपी से मुलाकात एक कैफे में हुई थी। आरोपी और पीड़िता के कुछ दोस्तों के माध्यम से दोनों में दोस्ती हो गई । इसके बाद आरोपी वेदांत कुंभारे ने पीड़िता को शादी के लिए प्रपोज किया और एक रिंग भी गिफ्ट की । जिसके बाद आरोपी ने पीड़िता को अपने घर बुलवाया और उसके साथ दुष्कर्म कर दिया। 1 साल तक दोनों रिश्ते में रहे लेकिन जब पीड़िता के शादी का कहने पर आरोपी ने शादी के लिए मना कर दिया तो पीड़िता ने हबीबगंज पुलिस को मामले की शिकायत दर्ज करवाई। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

मायके पहुंचे पति ने पत्नी पर किया हंसिए से हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित कल्याण नगर में मायके पहुंचे पति ने पत्नी पर हंसिऐ से हमला कर दिया। हंसिए का हमला हाथ से रोकने के कारण उसके दोनों हाथ में गंभीर चोट आई है, जबकि सिर और चेहरे पर भी चोट लगी है। महिला को मायके पक्ष के लोगों ने हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार सरिता प्रजापति पति उमेश प्रजापति (36) गृहणी हैं। उसका पति उमेश मंगलवारा इलाके में रहता है। पति और पत्नी के बीच पिछले कुछ समय से विवाद चल रहा है। विवाद के कारण सरिता कल्याण नगर छोला में अपने मायके में रह रही है।

गाली देने से रोका तो वार

उसने पुलिस को बताया कि बुधवार सुबह करीब साड़े दस बजे उसका पति घर पहुंचा था। उसने गालीगलौज की और तलाक देने की बात कही। पत्नी ने गाली गलौज करने का विरोध किया तो आरोपी हंसिए से उस पर हमला कर दिया।

अज्ञात व्यक्ति ने युवक के सिर पर मारी करछी

भोपाल। बजरिया इलाके में रहने वाले एक युवक पर अज्ञात व्यक्ति ने दूध गर्म करने वाली करछी से हमला कर दिया। आरोपी ने शराब पीने के लिए पानी का पाउच लाने का बोला था, लेकिन युवक ने पाउच लाने के इंकार कर दिया था। इससे नाराज होकर आरोपी ने हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार चांदबड़ बजरिया में रहने वाला रोशन कोरी (20) गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक गुटखा फैक्टरी में काम करता है। बीती शाम वह बाल विहार चांदबड़ स्थित एक चाय की दुकान के पीछे बैठकर शराब पी रहा था। उसी स्थान पर एक अन्य व्यक्ति भी शराब पी रहा था। कुछ देर बाद उस व्यक्ति ने रोशन से पानी के पाउच लाने का बोला तो रोशन ने पाउच लाने से इंकार कर दिया। इस पर वह व्यक्ति रोशन के साथ गाली-गलौज करते हुए झूमाझटकी करने लगा। रोशन ने विरोध किया तो आरोपी ने दूध गर्म करने वाली करछी उठाकर उसके सिर पर मार दी, जिससे खून निकलने लगा। शोर मचाने पर आसपास के लोग पहुंचे तो वह व्यक्ति जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग निकला।

छात्रा और परिजन के साथ पिता-पुत्र ने की मारपीट

भोपाल। राजधानी के बागसेवनिया इलाके में रहने वाली एक स्कूली छात्रा के साथ मोहल्ले के लड़के ने मारपीट कर दी। छात्रा के परिजनों ने जब लड़के के पिता से शिकायत की तो पिता ने परिजनों के साथ मारपीट की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार इलाके में रहने वाली 15 साल की किशोरी नौवीं कक्षा में पढ़ती है। रात करीब साढ़े ग्यारह बजे वह अपने भाई और बहन के साथ एक शादी समारोह से वापस लौट रही थी। घर के पास पहुंचने पर मोहल्ले में रहने वाले अनुज नामक लड़के ने छात्रा के सिर पर पीछे से थप्पड़ मार दिया। छात्रा ने जब इसका कारण पूछा तो अनुज कहने लगा जो करना है कर लेना। घर पहुंचकर पीड़िता ने घटना की जानकारी अपने पिता को दी, जिससे बाद परिजन अनुज के घर पहुंचे और उसके पिता राजेंद्र से अनुज की शिकायत की। राजेंद्र ने बेटे को समझाने के बजाए छात्रा के पिता के साथ ही गाली-गलौज करनी शुरू कर दी।

आवारा कुत्तों को पत्थर से भगाया पशु प्रेमी ने सरेआम युवक को पीटा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित स्टैट डेयरी के पास कुत्ते को घुमाने गए मध्य प्रदेश प्रदुषण नियत्रण बोर्ड (एमपीपीसीबी) के कर्मचारी से मारपीट का मामला सामने आया है। दरअसल, वे कुत्ते को घुमा रहे थे, तभी सड़क पर मौजूद आवारा कुत्तों ने उनके कुत्ते को घेर लिया और काटने का प्रयास करने लगे।

उन्होंने पत्थर से कुत्तों का भगाया तो पशु प्रेमी ने उनके साथ मारपीट कर दी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रोहित सिंह पिता ब्रजकिशोर सिंह (26) शासकीय स्कूल के पास बरखेड़ी खुर्द रातीबड़ में रहते हैं। उन्होंने शिकायत करते हुए बताया कि वे मध्य प्रदेश प्रदुषण नियत्रण बोर्ड शाहपुरा में नौकरी करते हैं। सुबह वह अपने कुत्ते को घुमाने के लिए घर से केरवा डैम जा रहे थे। स्टेट डेयरी केरवा रोड पर पहुंचते ही कुछ कुत्तों ने उनके कुत्ते को घेर लिया और काटने का प्रयास करने लगे। अपने कुत्ते को बचाने रोहित सिंह ने उन्हें पत्थर से भगा दिया। इसके बाद वह वापस लौटने लगे थे।

महिला बोली इधर के कुत्तों को तूने क्यों मारा?

वे कुछ दूर ही पहुंचे थे कि स्टेट डेयरी के पास एक महिला उनसे कहने लगी कि इधर के कुत्तों को तूने क्यों मारा। रोहित ने कहा कि यह कुत्ते मेरे कुत्ते को काटने के लिए दौड़े थे, इसलिए भगाने के लिए मैंने पत्थर मारा है। इसी बीच महिला का बेटा सन्नी पवार आया उनसे गालीगलौज करते हुए कहने लगा कि तू मेरी मां से बहस क्यों कर रहा है। रोहित ने गाली देने से मना किया तो आरोपी सन्नी पवार ने रोहित के साथ लात घूंसों से मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान वहां से गुजर रहे कुछ लोगों ने रोहित को सन्नी से बचाया।

मेट्रो एंकर सीसीटीवी फुटेज से पिपलानी पुलिस ने 6 दिन डेरा डालकर कानपुर से किया बरामद

माता-पिता कुंभ स्नान के लिए नहीं ले गए तो दसवीं की छात्रा पुष्पक एक्सप्रेस में सवार होकर पहुंच गई कानपुर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित आनंद नगर से दसवीं कक्षा की छात्रा 14 फरवरी की शाम संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजन उसकी तलाश करते रहे, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। अगले ही दिन परिजन ने पिपलानी थाने पहुंचकर उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई।

मामला नाबालिग से जुड़ा होने के कारण हरकत में आई पुलिस ने परिजन से पूछताछ की तो पता चला कि वह कुंभ नहाने की जिद कर रही थी।

पुलिस ने जीआरपी की ली मदद

एएसआई अजय वाजपेयी ने बताया कि परिजन ने बताया था कि वह कुंभ जाने की जिद कर रही थी। लिहाजा रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक किए। इस दौरान नाबालिग कानपुर की तरफ जाने वाली पुष्पक एक्सप्रेस में बैठती हुई नजर आई। पुलिस ने भोपाल से लेकर कानपुर

तक सभी जीआरपी थानों में संपर्क किया। भोपाल से ट्रेन छूटने के बाद सभी थानों पर जीआरपी ने सीसीटीवी कैमरे फुटेज चेक किए। इसके बाद कानपुर जीआरपी ने हुलिए के आधार पर छात्रा को सकुशल बरामद करते हुए पिपलानी पुलिस से संपर्क किया।

कानपुर बायरोड पहुंची पुलिस

छात्रा के कानपुर में मिलने की बात परिजन को बताई गई और वे ट्रेन से कानपुर पहुंच गए। इस दौरान उनकी बेटी को जीआरपी ने राजकीय बालगृह सूर्यविहार, यूनिट टू थाना नवाबगंज कानपुर महानगर को सौंप दिया था। परिजन राजकीय बालगृह पहुंचे तो बेटी ने उनके साथ चलने से इंकार कर दिया। इधर, पुलिस की टीम में एएसआई अजय वाजेपेयी, महिला आरक्षक रेखा अहिरवार, आरक्षक अतर सिंह और आरक्षक अहिवरण पहुंच गए थे।

कोर्ट से कराया सीडब्ल्यूसी भोपाल ट्रांसफर

छात्रा के माता पिता मजदूरी करते हैं। उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। चार दिन वे कानपुर रेलवे स्टेशन पर रहकर राजकीय बालगृह यूनिट टू के चक्कर काटते रहे, लेकिन बेटी उनके साथ जाने को तैयार नहीं थी। पुलिस की टीम पहुंची और राजकीय बालगृह के आलाधिकारियों से चर्चा कर छात्रा को कोर्ट में पेश कराया गया। कोर्ट में पेश कराने के बाद उसे भोपाल सीडब्ल्यूसी ट्रांसफर कराया। इस पूरी प्रक्रिया में 24 फरवरी हो गई थी। छह दिन पिपलानी पुलिस और एक सप्ताह परिजन बेटी को मनाते रहे। सीडब्ल्यूसी ने छात्रा की काउंसलिंग की और वह अपने माता पिता के साथ जाने को तैयार हो गई।

कुंभ में धुलते हैं पाप

छात्रा काफी समय से माता पिता से जिद कर रही थी कि महाकुंभ लेकर चलो। महाकुंभ में स्नान करने से पाप धुल जाते हैं, लेकिन माता पिता आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण उसे लगातार टालते रहे। महाकुंभ 26 फरवरी को समाप्त होना था। इसलिए वह 14 फरवरी को ही घर से कुछ पैसे लेकर निकल गई थी। उसके पास मोबाइल नहीं था। बावजूद इसके पुलिस ने जीआरपी और सीसीटीवी कैमरों की मदद से उसे सकुशल बरामद कर लिया।

सड़क हादसे में घायल अज्ञात युवक की मौत

भोपाल। राजधानी के सूखी सेवनिया इलाके में सड़क हादसे में घायल हुए एक अज्ञात युवक की अस्पताल में मौत हो गई। मृतक के पास ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान की जा सके। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए मर्चुरी में रखवा दिया है। मृतक के फोटो और हुलिए के आधार पर उसकी पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। एएसआई राजेश दंडोतिया ने बताया कि बुधवार की शाम करीब साढ़े चार बजे भोपाल विदिशा मार्ग स्थित टोल टैक्स के पास एक अज्ञात व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा मिला था। उसे किसी वाहन ने टक्कर मार दी थी, जिससे मुंह, चेहरे और शरीर पर गंभीर चोट आई थी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से युवक को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया था। अस्पताल से मिली सूचना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए मर्चुरी में रखवा दिया है। फोटो और हुलिए से की जा रही पहचान एएसआई दंडोतिया ने बताया कि मृतक की उम्र करीब 36 वर्ष और कद करीब 5 फीट पांच इंच है। मृतक के हाथ पर जितेंद्र और उर्मिला नाम गुदा हुआ है। उसका चेहरा अंडाकार और दाढ़ी हल्की है। वह नीला जींस पैंट, स्लेटी रंग की चकेदार शर्ट पहने है। मृतक के संबंध में किसी प्रकार की सूचना मिलने पर सूखी सेवनिया थाने के मोबाइल नंबर 9479990697 अथवा जांचकर्ता अधिकारी के मोबाइल नंबर 959575614850 पर संपर्क किया जा सकता है।

लघुशंका करने से रोकने पर कर दी युवक की फुटपाथ पर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। गौतम नगर इलाके में हुए अंधे कत्ल का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि फुटपाथ पर सोने वाले मृतक ने आरोपी को लघुशंका करने से मना किया था। इसको लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद आरोपी ने पत्थर से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी थी। गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक रिकार्ड खंगाला जा रहा है। जानकारी के अनुसार वसीम खान पुत्र नसीम खान (40) मूलत- विदिशा का रहने वाला था। फिलहाल वह बैरसिया रोड चौकसे नगर स्थित चिनार बिल्डिंग के पास फुटपाथ पर रहता था और कबाड़ा बीनने का काम करता था। बीती 23 फरवरी की रात वह फुटपाथ पर सो रहा था, तभी अज्ञात व्यक्ति ने पत्थर से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस ने इस मामले में मृतक के दोस्त की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम बनाई गई थी। सीसीटीवी कैमरों से मिली सुराग पुलिस टीम ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के साथ ही भौतिकी और साइंटिफिक साक्ष्य एकत्र किए। इसके साथ ही मुखबिरों को सक्रिय किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने एक संदेही आशिफ खान पुत्र शहजाद खान (32) निवासी किराए का मकान रंभा नगर थाना गौतम नगर को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने फुटपाथ पर सोने वाले युवक की हत्या करना स्वीकार कर लिया। इसलिए की थी युवक की हत्या पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि घटना के समय वह अत्यधिक नशे की हालत में था और घर लौट रहा था। रास्ते में चिनार बिल्डिंग के पास वह लघुशंका करने लगा तो वसीम ने उसे ऐसा करने से मना किया था। इसको लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया, जिसके बाद उसने बड़ा सा पत्थर उठाकर उसके सिर मारा, जिससे वसीम की मौत हो गई थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से घटना के समय पहने गए कपड़े और एक वाहन जब्त किया गया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022